वर्ष-3, अंक-48
इन्दौर मंगलवार 13 मई 2025 पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761, DAVP 133088/20/02/2020

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

सुविचार
भोजन के लिए अच्छे पदार्थों का उपलब्ध होना, उन्हें पचाने की शक्ति का होना, सुंदर स्त्री के साथ संसर्ग के लिए कामशक्ति का होना, प्रचुर धन के साथ-साथ धन देने की इच्छा होना। ये सभी सुख मनुष्य को बहुत कठिनता से प्राप्त होते हैं।
चाणक्य

विराट का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। कोहली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिये संन्यास की घोषणा की। विराट कोहली ने 123 टेस्ट में 30 शतक और 31 अर्धशतकों की मदद से 9230 रन बनाए। उन्होंने 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था। बता दें कि रोहित शर्मा के बाद विराट कोहली ने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट संन्यास की घोषणा की। इससे तय हो गया है कि इंग्लैंड दौरे पर नई भारतीय टीम जाएगी। कुछ ही समय पहले रिपोर्ट्स आई थी कि विराट कोहली इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना चुके हैं। तब कुछ दिग्गज क्रिकेटरों ने उन्हें इंग्लैंड सीरीज तक खेल जारी रखने की अपील की थी।

विराट का टेस्ट करियर

याद दिला दें कि विराट कोहली ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल प्रारूप से संन्यास लिया था। अब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से विदाई ली। बहरहाल, कोहली वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। कोहली के टेस्ट आंकड़े शानदार हैं। किंग कोहली ने 123 टेस्ट की 210 पारियों में 13 बार नाबाद रहते हुए 9230 रन बनाए। उनकी औसत 46.85 की रही। कोहली ने इस दौरान 30 शतक और 31 अर्धशतक जमाए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए।

बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली को संन्यास लेने पर सच्चा लीजेंड बताया। एबीडी ने कहा कि कोहली की स्किल्स ने हमेशा प्रेरणा दी है। उन्होंने प्यार से कोहली को biscotti कहा। इस इटैलियन शब्द का मतलब बिस्कुट होता है।

विराट टेस्ट में धोनी-रोहित से आगे

विराट कोहली ने कभी कप्तान के तौर पर ICC टूर्नामेंट नहीं जीता। टेस्ट क्रिकेट में बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है।

(विशेष सामग्री पृष्ठ 20 पर देखें)

विराट कोहली का वायरल पोस्ट

कोहली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, टेस्ट क्रिकेट में बैगी ब्ल्यू पहली बार पहने 14 साल हो गए हैं। ईमानदारी से मैंने कभी ऐसी यात्रा की कल्पना नहीं की थी कि यह प्रारूप मुझे कहां ले जाएगा। इसने मेरा परीक्षण किया, आकार दिया और मुझे सबक सिखाए, जिसे मैं जिंदगीभर लेकर चलूंगा। उन्होंने आगे लिखा, सफेद कपड़ो में खेलना बहुत ही निजी अनुभव होता है। शांत वातावरण, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं। जैसे ही मैं इस प्रारूप से दूर होता हूं, यह आसान नहीं है - लेकिन यह सही लगता है। कोहली ने लिखा, मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है, और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं दिल से आभार के साथ जा रहा हूं - खेल के लिए, उन लोगों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया, और हर एक व्यक्ति के लिए जिसने मुझे इस दौरान देखा।

युद्ध विराम के बावजूद पाक में 150 उड़ानें रद्द

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान के बीच युद्धविराम और हवाई क्षेत्र के पूरी तरह से खुल जाने के बावजूद अनिश्चितता तथा रसद संबंधी चुनौतियों के कारण पाकिस्तान में 150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गयी है।

द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्टों के अनुसार विमानन सूत्रों ने बताया कि 150 से अधिक उड़ानें निलंबित रहीं, जिनमें आधिकारिक शेड्यूल के अनुसार कराची से 45 (39 अंतरराष्ट्रीय सहित), लाहौर से 38 (32 अंतरराष्ट्रीय), इस्लामाबाद से 40 (36 अंतरराष्ट्रीय), पेशावर से 11, मुल्तान से 10 और सियालकोट से छह उड़ानें रद्द की गईं।

खदान ढहने से तीन खदानकर्मियों की मौत

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में रविवार को बेशकीमती पत्थरों की एक खदान का एक हिस्सा ढहने से तीन खनिकों की मौत हो गयी है। प्रांतीय सरकार के अधिकारी मोहम्मद कामगर के हवाले से सोमवार को यहां 'टोलोन्यूज 'ने बताया कि कल अश्कशिम जिले में बेशकीमती पत्थरों की खदान में काम कर रहे खनिक अचानक खदान का एक हिस्सा ढह जाने से दब गए।

पाकिस्तान के खिलाफ सेना की कार्रवाई सिर्फ स्थगित

न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेंगे, हमारी तीनों सेनाएं अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं उनकी वीरता,साहस और पराक्रम को आज समर्पित करता हूं हमारे देश की हर माता-बहन और बेटी को। पाकिस्तान ने हमारे गुरुद्वारों, घरों, मंदिरों और स्कूलों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।

भारत के ड्रोंस, मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था।

पूर्व मंत्री डॉ. आरएन सिंह का निधन

पटना (एजेंसी)। बिहार के खगड़िया जिले के परबत्ता से पांच बार विधायक रहे पूर्व मंत्री डॉ. रामानंद सिंह (आरएन सिंह) का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने राजधानी पटना के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से बिहार के राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत तमाम दलों के नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। डॉ. आरएन सिंह खगड़िया जिले की राजनीति का बड़ा चेहरा थे। उन्होंने परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व किया। वे बिहार राज्य विद्युत बोर्ड में सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे, लेकिन 1995 में नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखा। 2008 में नीतीश कुमार की कैबिनेट में उन्हें परिवहन मंत्री बनाया गया था।

बीजापुर में नक्सलियों का खूनी खेल जारी

कांग्रेस कार्यकर्ता नागा भंडारी की बेरहमी से हत्या

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सल आतंक एक बार फिर बेगुनाह की जान निगल गया। उसूर थाना क्षेत्र के लिंगापुर गांव में नक्सलियों ने कांग्रेस कार्यकर्ता नागा भंडारी की निर्मम हत्या कर दी। यह वारदात रविवार देर रात को अंजाम दी गई, जब नागा अपने घर के पास मौजूद थे। धारदार हथियार से की गई इस बर्बर हत्या ने इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने नागा भंडारी पर बेहद करीब से हमला किया और उन्हें मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस हत्याकांड के पीछे नक्सलियों की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन हमले के तरीके और इलाके के इतिहास को देखते हुए माओवादी संदेह के घेरे में हैं। इससे पहले भी 24 अक्टूबर 2024 को नागा भंडारी के बड़े भाई तिरुपति भंडारी की भी नक्सलियों ने दिनदहाड़े हत्या कर दी थी।

खरोरा में भीषण सड़क हादसा :

13 की मौत, 14 घायल

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे खरोरा क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह हादसा रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर सारागांव के समीप हुआ, जहां एक माजदा वाहन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम चटौद थाना क्षेत्र के लोग स्वराज माजदा (वाहन क्रमांक छ्त्त 04 रूक्त1259) में सवार होकर खरोरा थाना अंतर्गत ग्राम बाना बनारसी में एक चौथिया छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय बंगोली गांव के पास यह भीषण दुर्घटना हो गई। माजदा वाहन में 50 से अधिक लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल खरोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और रायपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पाक ने आतंकवादियों का साथ देना सही समझा और इसे अपनी लड़ाई बनाया

एयर मार्शल एके भारती ने कहा- नुकसान के लिए पाकिस्तान खुद जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच सीजफायर लागू है। एयर मार्शल एके भारती ने प्रेस ब्रीफ में कहा कि बीते दिन हमने पीओके और पाकिस्तान में सफलतापूर्वक तबाह किए गए आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ आतंकवाद से है और हमने आतंकवादियों के इंफ्रास्ट्रक्चर को ही निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का साथ देना सही समझा और इसे अपनी लड़ाई बना लिया। इस परिस्थिति में हमारी जवाबी कार्रवाई जरूरी थी और इसमें उनका जो भी नुकसान हुआ उसके लिए वह खुद जिम्मेदार हैं। एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमारी युद्ध-सिद्ध प्रणालियां समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और पाकिस्तान का डटकर मुकाबला करती रहीं। इस युद्ध में स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली, आकाश प्रणाली का शानदार प्रदर्शन रहा है। शक्तिशाली एडी वातावरण को तैयार करना और उसे क्रियान्वित करना केवल पिछले दशक में भारत सरकार से मिले बजटीय और नीतिगत समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि हमें ऑपरेशन सिंदूर के एयर डिफेंस की कार्रवाई को एक कॉन्टेक्स्ट में समझने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में आतंक की गतिविधियों के कैरेक्टर में कुछ बदलाव आया था अब हमारी सेना के साथ मासूम नागरिकों पर भी हमले हो रहे थे।

सारंगी में भीषण सड़क हादसा

बस पलटी, पति-पत्नी सहित 3 की मौत

पेटलावद (निप्र)। गत रात्रि 11-12 मई 2025 को करीब एक बजे एक स्लीपर बस (क्रमांक MP 09 PA 0271), जो इंदौर से उज्जैन होते हुए अहमदाबाद-राजकोट जा रही थी, झाबुआ जिले के ग्राम पत्थरपाड़ा (चौकी सारंगी, थाना पेटलावद) के समीप भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। असंतुलित होकर पलटी इस बस के नीचे दबने से तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोहम्मद आरिफ पिता अब्दुल रऊफ, उनकी पत्नी फरजाना (निवासी जमालपुर, अहमदाबाद) और अमन पिता वीरेंद्र यादव (निवासी सिवनी) के रूप में हुई है। हादसे में 13 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से पेटलावद सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पेटलावद दिनेश शर्मा, चौकी प्रभारी सारंगी दीपक देवरे अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य में दो जेसीबी, एक क्रेन तथा स्थानीय लोगों की मदद ली गई। बस को सीधा कर मृतकों के शव निकाले गए और अस्पताल भिजवाए गए। हादसे के बाद बस चालक जितेंद्र पटेल, निवासी इंदौर, मौके से फरार हो गया। पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है। घायलों की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। मौके पर एसडीओपी कमलेश शर्मा, तहसीलदार निगवाल सहित वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी पहुंचे और राहत कार्यों का जायजा लिया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ला के मार्गदर्शन में एडीशनल एसपी प्रेमलाल कर्वे एवं एसडीओपी कमलेश शर्मा द्वारा किया गया।

सुविचार

बचत कभी व्यर्थ नहीं जाती है। फिर चाहे समय की हो ,पैसों की हो खूबसूरत रिश्तों की हो संस्कारों की हो या फिर अन्य किसी विषय वस्तु की....!!

किरण काजल बेंगलुरु

संपादकीय

न्यायमूर्ति वर्मा – इस्तीफा या महाभियोग?

देश की न्यायिक प्रणाली उस मोड़ पर खड़ी है, जहां नैतिकता, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश का आचरण परखा जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर भारी मात्रा में नकदी बरामद होने और उसके बाद शुरू हुई जांच ने न्यायपालिका की छवि पर गहरा असर डाला है। जब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर उनसे इस्तीफा देने को कहा, तो यह स्पष्ट था, कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं, नैतिक दृष्टि से न्यायपालिका के लिए गंभीर मामला है। न्यायमूर्ति वर्मा ने यह कहते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया कि यह उनके आत्मसम्मान के खिलाफ है। उनके खिलाफ साजिश रची गई है। यह बयान उस विश्वास को और चोट पहुंचाता है, जो देश की जनता न्यायपालिका पर भगवान के समान आस्था रखती है। जब आरोप इतने गंभीर हों, हाईकोर्ट के तीन मुख्य न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट भी आरोप की पुष्टि करे, तब यह तर्क कि ÷यह साजिश है। एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अपर्याप्त कारण प्रतीत होता है। अब सवाल उठता है क्या न्यायमूर्ति वर्मा महाभियोग के जरिए हटाए जाएंगे, या अंतिम समय पर इस्तीफा देंगे? भारत का संविधान इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाना अत्यंत कठिन और दीर्घ कालीन प्रक्रिया है, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। यह लोकतंत्र की मजबूती और न्यायपालिका की स्वायत्तता का प्रतीक है। ऐसे मामलों में यह प्रक्रिया विलंब का कारण भी बन जाती है। वहीं वर्तमान संदर्भ में दोषियों को संरक्षण देने का काम भी करती है। इस संकट के समय में हमें यह नहीं भूलना चाहिए, कि संविधान सर्वोपरि है। न्यायपालिका ही सर्वोच्च संस्था है जो संविधान के अनुसार गुण और दोष के आधार पर फैसला करती है। न्यायपालिका की सर्वोच्चता का अर्थ यह नहीं कि वह जवाबदेही से मुक्त है। एक न्यायाधीश का आचरण न केवल उसके पद के अनुरूप गरिमा तय करता है बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ होता है। आज देश की निगाहें इस घटनाक्रम पर हैं। अगर न्यायमूर्ति वर्मा स्वयं त्यागपत्र देकर उच्च नैतिक मानदंड स्थापित करते, तो यह एक उदाहरण बनता। यदि उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, तो महाभियोग ही वह रास्ता है जो यह सिद्ध करेगा, भारत में कानून से ऊपर कोई नहीं है। यह अवसर है, न्यायपालिका के आत्ममंथन का, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायपालिका की सर्वोच्चता को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। न्यायपालिका की जवाबदेही को मजबूत बनाए रखने के लिए संसद के पास यह मामला भेजा है। वह जज के मामले में उपयुक्त निर्णय लें। अगर न्याय के मंदिर को लेकर अविश्वास आ जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगा सकती है। न्यायपालिका के प्रति आम नागरिकों की आस्था बनी रहे। विधायिका और कार्यपालिका के साथ-साथ न्यायपालिका भी अपना काम संविधान की भावना के अनुरूप आचरण करते हुये संविधान के नैतिक सिद्धांतों के आधार पर निर्णय करेंगे, तभी संविधान की रक्षा हो सकेगी। न्यायपालिका ने यह कार्यवाही कर साबित कर दिया है, न्यायपालिका की भी जवाबदेही संविधान के प्रति है। उसे भी संविधान के अनुसार अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ कार्य करना होता है। न्यायाधीश यदि अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं, तो वह भी दंडित होने के पात्र हैं। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश 13 मई को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। उसके पहले उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा किया है। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा पर उपयुक्त कार्यवाही करने के लिए लिखा है। निश्चित रूप से इससे न्यायपालिका की साख बनी रहेगी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज संविधान के न्याय सिद्धांतों के आधार पर बिना किसी दबाव, बिना किसी भय और लालच के न्याय कर सकें। संविधान ने जो दायित्व न्यायपालिका को सोंपा है, उसके अनुसार नागरिकों के मूल अधिकारों को संरक्षित कर पाएंगे, यह आशा की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने यशवंत वर्मा द्वारा इस्तीफा नहीं दिए जाने पर, अब यह मामला संसद के ऊपर छोड़ दिया है। वह उपयुक्त निर्णय कर यदि महाभियोग के जरिये न्यायमूर्ति वर्मा को हटाया जाये। यह भारत की पहली घटना होगी, जिसमें किसी हाईकोर्ट के न्यायाधीश को महाभियोग के माध्यम से हटाया जाएगा। हो सकता है कि इसके पहले यशवंत वर्मा इस्तीफा देकर महाभियोग का सामना ना करें।

फिर आएगा गौरी: इतिहास के पन्नों से वर्तमान तक का सबक

बा आज़ादी के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ कई बार समझौते और संघर्षविराम की कोशिशें की हैं, लेकिन पाकिस्तान की नीतियाँ और उसके आक्रमणों का कोई अंत नहीं आया। यह वही गलती है, जो पृथ्वीराज चौहान ने की थी। पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को एक बार पराजित किया और उसे जीवनदान दिया, जो बाद में उनके साम्राज्य के पतन का कारण बना। यह उदाहरण हमें यह सिखाता है कि शत्रु के प्रति दया और माफ़ी की आदत दीर्घकालिक रूप से हानिकारक हो सकती है।

प्रियंका सौरभ

इतिहास की गलती-पृथ्वीराज चौहान ने 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में मोहम्मद गौरी को हराया और जीवनदान दिया। लेकिन 1192 में, गौरी ने फिर हमला किया और चौहान को हराकर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल बदल दिया। क्या हम भी आज बार-बार माफ़ी देकर वही भूल दोहरा रहे हैं? इतिहास अपने आप में एक जीवंत कथा है, जो समय-समय पर हमें चेतावनी देता है। इसे नज़रअंदाज़ करने की भूल, एक सभ्यता के पतन की सबसे बड़ी वजह बनती है। पृथ्वीराज चौहान का उदाहरण इसका एक सटीक प्रमाण है। बार-बार की गई माफ़ी और शत्रु पर दया दिखाने की भूल ने एक साम्राज्य को समाप्त कर दिया। यह केवल मध्यकालीन भारत की गाथा नहीं है, बल्कि आज के दौर में भी यह संदर्भ उतना ही प्रासंगिक है। पृथ्वीराज चौहान= एक वीर राजा की भूलइतिहासकार मानते हैं कि पृथ्वीराज चौहान, अपनी वीरता और अदम्य साहस के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने कई युद्धों में अद्वितीय पराक्रम दिखाया, लेकिन जब बात मोहम्मद गौरी की आई, तो उनकी माफ़ी देने की प्रवृत्ति ने उन्हें भारी नुकसान पहुँचाया। 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में चौहान ने गौरी को पराजित किया और जीवनदान देकर एक गंभीर भूल की। अगले ही वर्ष, 1192 में गौरी ने फिर हमला किया और इस बार चौहान को हराने में सफल रहा। यह वह पल था जिसने भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया। इतिहास की पुनरावृत्ति= क्या हम फिर से वही भूल कर रहे हैं?अगर हम अपने वर्तमान हालात पर नज़र डालें, तो क्या हम भी उसी भूल की ओर बढ़ रहे हैं? बार-बार की माफ़ी, नरमी और गलतियों से सबक न लेने की आदत हमें कमजोर बना रही है। चाहे वह सीमा सुरक्षा का मामला हो, या फिर आंतरिक सुरक्षा की चुनौती, हर बार की चुप्पी, समझौते और क्षमादान हमें कमजोर बना रहे हैं। क्या पाकिस्तान के साथ भी हम वही भूल दोहरा रहे हैं?आज का भारत भी बार-बार पाकिस्तान के साथ उसी भूल का शिकार होता नज़र आ रहा है। बार-बार की गई शांति वार्ताएँ, संघर्षविराम समझौते, और कमजोरी समझ सकता है? यह केवल सीमा पर गोलीबारी या आतंकी हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि कूटनीतिक मंचों पर भी हम बार-बार शांति और समझौते की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर से विश्वासघात और आक्रमण की नीति जारी रहती है। यह हमारी उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया। यह हमें एक बार फिर सोचने पर मजबूर करता है - क्या हमें बार-बार माफ़ करने की नीति पर पुनर्विचार नहीं करना चाहिए? पाकिस्तान, जो आतंकवाद का सबसे बड़ा निर्यातक है, उसकी सैन्य और

(क्या पाकिस्तान के साथ भी हम वही भूल दोहरा रहे हैं?)

आतंकवाद के हर वार को क्षमा करना क्या हमें फिर से एक कमजोर राष्ट्र की छवि नहीं दे रहा?

पाकिस्तान, जो बार-बार हमारी सीमाओं पर हमला करता है, हमारे सैनिकों पर कायराना हमले करता है, और हमारे नागरिकों के खिलाफ आतंकी गतिविधियाँ प्रायोजित करता है, क्या उसे बार-बार माफ़ करना उचित है? क्या हमें इस बात का अहसास नहीं है कि जैसे गौरी ने चौहान की सहिष्णुता का गलत फायदा उठाया, वैसे ही पाकिस्तान भी हमारी हर माफ़ी और नरमी को सहनशीलता और शांति की भावना का अपमान है, जिसे बार-बार नज़रअंदाज़ करना एक गंभीर भूल हो सकती है। अमेरिका की छाया में खड़ा पाकिस्तानअमेरिका का रुख भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि कैसे अमेरिका ने पाकिस्तान को हर मोर्चे पर समर्थन दिया, चाहे वह सैन्य सहायता हो या वित्तीय मदद। अमेरिका ने कई बार पाकिस्तान को अपने भू-राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया, जबकि पाकिस्तान ने उस समर्थन का आर्थिक सहायता करने वाला अमेरिका, क्या भारत के रणनीतिक हितों के खिलाफ नहीं है? क्या यह समय नहीं आ गया है कि हम अपनी विदेश नीति को और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएं, ताकि हमें किसी बाहरी शक्ति पर निर्भर न रहना पड़े? इतिहास हमें सिखाता है कि अगर हम अपने शत्रुओं की मंशा को बार-बार नज़रअंदाज़ करेंगे, तो हमें फिर से उसी त्रासदी का सामना करना पड़ेगा जो पृथ्वीराज चौहान ने की थी। माफ़ी की आदत हमें वीर से विवश बना सकती है, और समझौते की कमजोरी हमारे गौरव को मिटा सकती है। समय आ गया है कि हम अपने इतिहास से सबक लें और अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानें। माफ़ी एक आदर्श हो सकती है, लेकिन जब बात राष्ट्रीय सम्मान और स्वाभिमान की हो, तब हमें पाषाण की तरह अडिग और लोहे की तरह कठोर होना पड़ेगा। यही संदेश इस कविता में छिपा है - माफ़ी की जगह पराक्रम, और समझौते की जगह संकल्प। अमेरिका ने पाकिस्तान को कई बार समर्थन दिया है, जबकि पाकिस्तान ने इस समर्थन का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों में किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बाहरी शक्ति हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम कर सकती है, और हमें अपनी नीति को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। भारत को अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और शत्रु के सामने कठोर और अडिग रहना चाहिए। माफ़ी की जगह पराक्रम और समझौते की जगह संकल्प हो, ताकि हम भविष्य में ऐसे ही संकटों से बच सकें।

-प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)-127045
(मो.) 7015375570

कहानी

कैसे पढ़ूं

पूरे घर में मुर्दनी छा गई थी। मां के कमरे के बाहर सिर पर हाथ रखकर बैठी उदास दाई मां, रो-रो कर थक चुकी मां के पास चुपचाप बैठी गांव की औरतें। सफेद कपड़े में लिपटे गुड्डे के शव को हाथों में उठाए पिताजी को उसने पहली बार रोते देखा था... 'शुचि!' टीचर की कठोर आवाज से मस्तिष्क में दौड़ रही घटनाओं की रील कट गई और वह हड़बड़ा कर खड़ी हो गई। 'तुम्हारा ध्यान किधर है? मैं क्या पढ़ा रही थी... बोलो?' वह घबरा गई। पूरी क्लास में सभी उसे देख रहे थे। 'बोलो!' टीचर उसके बिल्कुल पास आ गईं। 'भगवान ने बच्चा वापस ले लिया...।' मारे डर के मुंह से बस इतना ही निकल सका। कुछ बच्चे खी-खी कर हंसने लगे। टीचर का गुस्सा सातवें

आसमान को छूने लगा। 'स्टैंड अप आन द बैंच!' वह चुपचाप बैंच पर खड़ी हो गई। उसने सोचा... ये सब हंस क्यों रहे हैं, मां-पिताजी, सभी तो रोए थे, यहां तक कि दूध वाला और रिक्शेवाला भी बच्चे के बारे में सुनकर उदास हो गए थे और उससे कुछ अधिक ही प्यार से पेश आए थे। वह ब्लैक-बोर्ड पर टकटकी लगाए थी, जहां उसे मां के बगल में लेटा प्यारा-सा बच्चा दिखाई दे रहा था। हंसते हुए पिताजी ने गुड्डे को उसकी नन्ही बांहों में दे दिया था। कितनी खुश थी वह!

'टू प्लस फाइव-कितने हुए?' टीचर बच्चों से पूछ रही थी।

शुचि के जी में आया कि टीचर दीदी से पूछे जब भगवान ने गुड्डे को वापस ही लेना था तो फिर दिया ही क्यों था? उसकी आंखें डबडबा गईं। सफेद कपड़े में लिपटा गुड्डे का शव उसकी आंखों के आगे घूम रहा था। इस दफा टीचर उसी से पूछ रही थी। उसने ध्यान से ब्लैक-बोर्ड की ओर देखा। उसे लगा ब्लैक-बोर्ड भी गुड्डे के शव पर लिपटे कपड़े की तरह सफेद रंग का हो गया है। उसे टीचर दीदी पर गुस्सा आया। सफेद बोर्ड पर सफेद चाक से लिखे को भला वह कैसे पढ़े?

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

तीर्थंकरों ने दी जगत को पर्यावरण संरक्षण की सीख

24 तीर्थंकरों के 24 पेड़ व चिन्ह देते हैं प्रकृति प्रेम का संदेश

सं-प्रीतम लखवाल,प्रस्तुति जवाहर डोसी पीयूष

घटते वन, असंतुलित प्रकृति, बढ़ती गर्मी, असामान्य मौसम को नियंत्रित करने के लिए वर जैन धर्म ग्रंथों, शास्त्रों में पर्यावरण को लेकर बहुत लिखा गया है। दुनिया के लगभग सभी धर्मों की अपेक्षा सबसे अधिक जैन धर्म ने प्रकृति का महत्व समझा और सभी को उचित सम्मान दिया। पर्यावरण संरक्षण में जैन धर्मावलंबियों का उत्कृष्ट योगदान रहा है। प्रकृति के इसी प्रेम के चलते जैन धर्म के प्रमुख 24 तीर्थंकरों से जुड़े हैं 24 ऐसे महत्वपूर्ण वृक्ष, जिनका अधिक संख्या में धरती पर होना बहुत आवश्यक है। हालांकि वृक्ष किसी धर्म विशेष के नहीं होते, लेकिन कौन अधिक महत्व देता है वृक्षों को,इससे उसकी प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का पता चलता है। घटते वन, असंतुलित प्रकृति, बढ़ती गर्मी, असामान्य मौसम को नियंत्रित करने के लिए वर्तमान में सघन पौधरोपण कर उनका पालन-पोषण से लेकर संरक्षण का संदेश जन-जन तक जाना चाहिए। अगर मानव जीवन को इस असंतुलन से बचाना है तो इस ओर भगवान तीर्थंकरों के प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जीवन

में उतारकर जगत कल्याण के लिए सहभागिता करनी होगी।

ये हैं तीर्थंकरों के 24 वृक्ष: भगवान ऋषभदेव जी का वृक्ष वटवृक्ष है। भगवान अजितनाथ जी का सर्प पर्ण वृक्ष, संभवनाथ जी का शाल वृक्ष, अभिनंदनजी का देवदार वृक्ष, सुमतिनाथ का प्रियंगु वृक्ष, पद्मप्रभुजी का प्रियंगु वृक्ष, चंद्रप्रभु जी का नाग वृक्ष, पुष्पदंत जी का साल वृक्ष, शीतलनाथ जी का प्लक्ष वृक्ष, श्रेयांसनाथ जी का तेंदुका वृक्ष, वासुपूज्यजी का पाटला वृक्ष, विमलनाथ जी का जंबू वृक्ष, अनंतनाथ जी का पीपल वृक्ष, धर्मनाथ जी का दधिपर्ण वृक्ष, शांतिनाथ जी का नंद वृक्ष, कुंथुनाथ जी का तिलक वृक्ष, अरहनाथ जी का आम्र वृक्ष, मल्लिनाथ जी का कुंप अशोक वृक्ष, मुनिसुव्रतनाथ जी का चंपक वृक्ष, नमिनाथ जी का वकुल वृक्ष, नेमिनाथ जी मेषश्रृंग वृक्ष, पार्श्वनाथ जी का धव वृक्ष तथा महावीर स्वामी का साल वृक्ष है। भगवान तीर्थंकरों ने इन्हीं वृक्षों के नीचे बैठकर तप, साधना और केवल्य ज्ञान प्राप्त कर जगत कल्याण का मार्ग बताया।आज भी इन्हीं पेड़ों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

यह हैं 24 तीर्थंकर भगवानों के चिन्ह: इसी तरह प्रत्येक तीर्थंकर के साथ उनका एक चिन्ह जुड़ा हुआ है। ऋषभदेव जी वृषभ, अजितनाथजी हाथी,संभवनाथ जी घोड़ा, अभिनंदन जी वानर, सुमतिनाथ जी चकवा, पदमप्रभ जी पद्म, सुपार्श्वनाथ जी स्वास्तिक, चंद्रप्रभु जी चंद्र,सुविधिनाथ जी मगर,शीतल नाथ जी श्रीवत्स,श्रेयांशनाथ जी गेंडा, वासुपूज्य जी भैंसा, विमलनाथ जी सूअर, अनंतनाथ जी बाज, धर्मनाथ जी वज्र, शांतिनाथ जी मृग,कुंथु नाथ जी बकरा, अरनाथ जी नंदावर्त, मल्लिनाथ जी कलश,मुनि सुव्रत जी कछुआ, नमिनाथ जी कमल,अरिष्टनेमि जी शंख, पार्श्वनाथ जी सर्प और महावीर स्वामी जी का सिंह। इस आलेख को पढ़कर इस बात पर सहज- सरल रूप से सुनिश्चितता हो जाती है कि जैन जगत के तीर्थंकर भगवानों का भी प्रकृति के वृक्ष और जीव जंतुओं से कितना गहरा लगाव रहा है।

मोबाइल में बंद समाज सुधारक

व्यंग्य

अरण्यरोदन

अ ब समाज को सुधारने के लिए न तो मैदान में उतरने की ज़रूरत है, न सत्याग्रह की आवश्यकता, और न ही जनसभा या आंदोलन की। आजकल जो सबसे प्रभावशाली समाज सुधारक हैं, वे सब अपने-अपने मोबाइल में कैद हैं। जी हाँ, वह वही लोग हैं जो सुबह आँख खुलते ही मोबाइल का उजाला देखकर अपने भीतर राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित कर लेते हैं और चाय के कप के साथ समाज को सुधारने निकल पड़ते हैं – यानि अपनी चारपाई या पलंग से एक इंच भी हिलने की ज़रूरत नहीं। यह वही युग है जहाँ देश की गरीबी पर चिंता जताने के लिए आपको किसी भूखे को रोटी नहीं देनी, बल्कि एक भावुक संदेश आगे बढ़ा देना पर्याप्त है – जिसमें लिखा हो, यदि तुम्हारे पास दिल है तो यह संदेश दस लोगों को भेजो। यह दिलवाले समाज सुधारक जितनी तेजी से संदेश आगे बढ़ाते हैं, उतनी तेजी से कभी किसी भिखारी की झोली में सिक्का नहीं गिरा। सड़क पर पड़ा गड्ढा देखकर पहले लोग नगरपालिका में शिकायत करते थे, अब फोटो खींचकर समाज सुधार नामक समूहों में डालते हैं और लिखते हैं, अब भी नहीं जागे तो कब जागोगे? लेकिन वही सज्जन जब नगरपालिका वाला सफाई कर्मचारी घर के बाहर से झाड़ू लगाता है, तो दरवाज़ा बंद कर लेते हैं, कहीं चंदा न मांग ले। समाज अब वह नहीं रहा जो महात्मा गांधी के समय था, जहाँ पैर में चप्पल नहीं थी लेकिन हाथ में चरखा था। अब तो सबके हाथ में चकाचक मोबाइल है और दिमाग में सिर्फ दूसरों की निंदा। आजकल की सबसे बड़ी क्रांति यह है कि मदद करना अब एक अभिनय बन गया है। कोई वृद्ध सड़क पार करने में लड़खड़ाए तो दौड़कर हाथ थामने वाला कम मिलेगा, लेकिन वीडियो बनाने वाला अधिक। और उस वीडियो के नीचे कैप्शन लिखा जाएगा, इन्हें देखकर क्या आपकी आँखें नम नहीं हुईं? वास्तव में नम आँखें तो वृद्ध की हैं, जिसे कैमरे से ज़्यादा किसी के कंधे की ज़रूरत थी। लेकिन नहीं, अब करुणा भी प्रदर्शन का विषय बन गई है। समाज सुधार का नया मंच अब किसी पंचायत भवन में नहीं, बल्कि घर के शौचालय से लेकर रसोईघर तक हो चुका है। और जो लोग चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं, हम परिवर्तन लाएंगे!, वही लोग सफर करते समय खिड़की से बाहर खाली बोतल फेंकते हैं और कहते हैं, देश का कुछ नहीं हो सकता। यदि आप किसी सार्वजनिक स्थान पर सफाई का प्रयास करें तो आपको पागल कहा जाएगा, लेकिन यदि आप वही काम मोबाइल से लाइव करके करें तो आप समाज के नायक बन जाएंगे। राजनीति पर चर्चा करना अब भूतपूर्व राजाओं का नहीं, बल्कि चाय की गुमटी पर बैठे चाचा का काम है, जो पाँच मिनट में देश की अर्थव्यवस्था को बदलने की योजना पेश कर देते हैं और अगले ही पल बताशे खाते हुए कहते हैं, इन नेताओं से कुछ नहीं होगा। लेकिन जब मतदान का दिन आता है तो ये चाचा गाँव के बाहर किसी रिश्तेदार की बारात में नाचते हुए मिलते हैं, यह कहते हुए कि हमारे एक वोट से क्या फर्क पड़ता है? स्त्री सुरक्षा, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, पर्यावरण – हर मुद्दे पर चिंता करने वालों की भरमार है। लेकिन यह चिंता बस मोबाइल की सीमा तक सीमित है। धरती की चिंता उन्हें है जो एअर-शुद्धिकरण यंत्र के सामने बैठकर पोस्ट लिखते हैं, पेड़ लगाओ, धरती बचाओ। बेरोजगारी पर व्याख्यान वह देता है जिसे अपने घर के युवक की योग्यता पर ही भरोसा नहीं। और शिक्षा व्यवस्था को कोसने वाला वह है जो शिक्षक की तनख्वाह को दान से कम समझता है। यदि कोई युवा कविता लिखे, नाटक करे या चित्र बनाए तो समाज कहता है, इन सब कामों से पेट नहीं भरता। और जब वही युवा सामाजिक बदलाव के लिए चुपचाप कोई कोशिश करता है, तो उसकी नीयत पर ही संदेह किया जाता है। बदलाव अब पुस्तकों में पढ़ा जाने वाला अध्याय रह गया है, वास्तविकता में वह बस एक दिखावे की पोशाक बन चुका है, जो केवल पर्व-त्योहारों पर पहनी जाती है। समाज सुधार की सबसे हास्यास्पद स्थिति तब बनती है जब एक तरफ लोग त्योहारों पर स्वदेशी वस्तुओं के समर्थन में पोस्ट डालते हैं और उसी दिन विदेशी ऑनलाइन मंचों से खरीदारी करते हुए कहते हैं, वहाँ सस्ता मिलता है। राष्ट्रप्रेम अब जड़ों से नहीं, जुमलों से जुड़ गया है। कुल मिलाकर, समाज सुधार अब एक मानसिक खेल बन चुका है, जहाँ हाथ से नहीं, केवल होठों और उंगलियों से काम लिया जाता है। सुधार की आंधी केवल मोबाइल के परदे तक सीमित है, और व्यवहार में लोग अब भी वही हैं जो कल थे। यदि सच में बदलाव चाहिए, तो पहले पोस्टर नहीं, चरित्र बदलिए; मंच पर नहीं, मन में बदलाव लाइए; और हाँ, किसी गरीब की आँखों में आंसू देखकर वीडियो बनाने से बेहतर है चुपचाप रुमाल देना। क्योंकि समाज पोस्ट से नहीं, परिश्रम से सुधरता है।

डॉ. सिद्धार्थ कुमार जौहरी, प्राचार्य, सेज महाविद्यालय, इन्दौर (मध्यप्रदेश)

मंत्री के पीए पर हमला करने वाले को जेल में पीटा

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पीए पर हमला करने वाले कैब ड्राइवर को जिला जेल में विचाराधीन बंदी ने पीट डाला। घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पलासिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में भी पेश किया था। ये आरोपी लूट के मामले में जेल में लाया गया है। इसके एक साथी का नाम भी सामने आ रहा है वह एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल में है। उपजेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी के मुताबिक जेल में पिछले दिनों मंत्री विजयवर्गीय के पीए पर हमला करने वाले कैब ड्राइवर शैलेन्द्र के खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेजा गया था। जिला जेल में रविवार को हेमन्त उर्फ भोला पिता विष्णु नाम के बंदी ने हमला कर दिया। इस दौरान हेमंत के साथ राजा भी था, सुरक्षा में मौजूद अन्य बंदियों ने शैलेन्द्र को बचा लिया। शैलेन्द्र को ज्यादा चोट नही आई है। उसकी हालत ठीक है। राजा मूसाखेड़ी का रहने वाला है। जो एनडीपीएस के एक मामले में विचाराधीन कैदी है। दोनों कैदियों को अलग बैरक में रखा गया है।

महिला की हत्या, पति पर शक

इंदौर (नगर संवाददाता)। एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट के दौरान उसकी गला घोंटकर हत्या किए जाने का खुलासा हुआ हैं। मामले में पति व एक अन्य को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही हैं। पति द्वारा ही हत्या किये जाने की शंका जताई जा रही है। ग्रामीण डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले ग्राम लोहार पिपल्या स्थित घर से महिला संगीता पति विजय परमार की लाश बरामद की गई थी। संदिग्ध अवस्था मे मिले महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां परीक्षण के पश्चात डॉक्टर ने शार्ट पीएम में महिला की गला घोंटकर हत्या किए जाने की रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के आधार पर मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया हैं। पुलिस ने महिला के पति व एक अन्य संदिग्ध को हिरासत में लिया हैं। दोनो से पूछताछ की जा रही हैं। पुलिस को पति द्वारा ही महिला की हत्या किये जाने का शक हैं। पुलिस हत्या की वजह का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं।

घर में बनी सीमेंट की टान गिरने से महिला की मौत, पड़ोसी घायल

इन्दौर। एक पैंसठ वर्षीय बुजुर्ग महिला की घर के कमरे में बनी सीमेंट की टान (छज्जा) गिर जाने से गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई छज्जा गिरने से महिला का पड़ोसी भी घायल हुआ है क्योंकि ये दोनों उस वक्त किसी विषय पर वहां बातचीत कर रहे थे। घटना हीरानगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार मनोरमा पति प्रेमकुमार कुम्हार उम्र पैंसठ साल निवासी गैरीनगर को घर में बना सीमेंट का छज्जा गिरने से गंभीर घायल होने के चलते परिचित राबिन ने उपचार के लिए एम अस्पताल में भर्ती कराया था।जहां देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस को पूछताछ में राबिन ने बताया कि मनोरमा करीब 8 बजे अपने पड़ोसी महेश के साथ बाहर के कमरे में बात कर रही थी। इसी दौरान वहां बनी टान (छज्जा) अचानक उनके उपर गिर गई। इस हादसे में महेश भी घायल हो गया। मनोरमा कोई सिर में गंभीर चोट लगी थी वही महेश के पैर में फैक्चर बताया गया है। पुलिस पूछताछ में पड़ोसियो से जानकारी प्राप्त हुई कि मनोरमा के पति की करीब 2 साल पहले मौत हो चुकी थी वहीं उनका एक बेटा और बेटी भी काफी समय पहले शांत हो चुके थे। वे फिलहाल अकेली रहती थी तथा कुछ समय से रिश्तेदार और आसपास के लोग ही उनका ध्यान रखते थे। मनोरमा के खुद के परिवार में कोई नहीं है। पड़ोसियो के अनुसार आसपास के लोगो की मदद से ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दहेज प्रताड़ना, दो केस दर्ज

इन्दौर। दहेज प्रताड़ना के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने पीड़िताओं की शिकायत पर ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता कोमल उम्र सत्तावीस साल निवासी शंकर बाग की रिपोर्ट पर पति जितेंद्र सास लता ससुर अशोक और ननद प्रिया के खिलाफ महिला पुलिस ने दहेज प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है। कोमल ने पुलिस को दर्ज अपनी रिपोर्ट में बताया कि उसे मायके से 5 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। वहीं काजल खुशवानी उम्र पच्चीस साल निवासी सिल्वर पैलेस अन्नपूर्णा रोड ने पुलिस को अपनी दर्ज रिपोर्ट में बताया कि साल पहले आकाश निवासी ग्वालियर से उसकी शादी हुई थी। मायके वालों ने तब शादी में 5 लाख से अधिक का गोल्ड और अन्य सामान दिया था। शादी के कुछ महीने बाद ही पति आकाश, सास पूनम और ससुर ओमप्रकाश मायके से 10 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। वे उसे छोटी-छोटी बातों को लेकर प्रताड़ित करते और मोबाइल पर माता-पिता से बात भी नहीं करने देते। काजल ने आरोप लगाया कि पति और सास ससुर ने यह कहकर घर से निकाल दिया कि जब तक मायके से 10 लख रुपए लेकर नहीं आएगी तब तक तुम्हारे लिए घर के दरवाजे बंद है। महिला पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मनचला मरीज, महिला डॉक्टर को कर रहा परेशान, केस दर्ज

इन्दौर। एक महिला डाक्टर ने मनचले मरीज से परेशान होकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामला भंवरकुआं थाना क्षेत्र का है। मनचला मरीज महिला डॉक्टर को लंबे समय से परेशान कर रहा था आखिरकार महिला डॉक्टर ने अब पुलिस की शरण ली हैं। भंवरकुआं थाना पुलिस के अनुसार ने तीस वर्षीया पीड़िता महिला डाक्टर जिनका गणेश नगर में क्लिनिक है ने मनचले गौरव नाहर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते बताया कि गौरव मेरे क्लिनिक पर इलाज कराने आया था उसके बाद से वह आये दिन किसी न किसी बहाने उन्हें वार वार फोन लगाने लगा परेशान होकर उन्होंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके कुछ समय बाद गौरव आते जाते बुरी नियत से उनका पीछा करता एंव दोस्ती करने का मेसेज कर उन्हें परेशान करने लगा। पुलिस ने गौरव के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बारात में हुआ झगड़ा, दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल

इंदौर (नगर संवाददाता)। बारात में नाचने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान बीयर की कांच की बोतल का भी उपयोग हुआ। हमले में एक परिवार के तीन लोग घायल हो गए।

चंदन नगर पुलिस के मुताबिक विवाद और मारपीट की घटना गत रात 10 बजे जवाहर टेकरी सिंहासा रोड पर हुई। पुलिस ने विजय पिता रामचंद्र बोडाना, जवाहर टेकरी की रिपोर्ट पर आरोपी जितेन्द्र पिता अम्बाराम, महेश उर्फ महेला पिता अम्बाराम, मनोज उर्फ चूचू पिता बाबूलाल और माखन पिता अम्बाराम निवासी ग्राम सिंहासा रोड के खिलाफ केस दर्ज किया है। हमले में घायलों के नाम अर्जुन, रामचंद्र और रामकोर बताए गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि हम मौसी के बेटे योगेश की बारात में जा रहे थे। बारात में नाचने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान बीयर की कांच की बोतल का भी उपयोग हुआ। हमले में एक परिवार के तीन लोग घायल हो गए।

चंदन नगर पुलिस के मुताबिक विवाद और मारपीट की घटना गत रात 10 बजे जवाहर टेकरी सिंहासा रोड पर हुई। पुलिस ने विजय पिता रामचंद्र बोडाना, जवाहर टेकरी की रिपोर्ट पर आरोपी जितेन्द्र पिता अम्बाराम, महेश उर्फ महेला पिता अम्बाराम, मनोज उर्फ चूचू पिता बाबूलाल और माखन पिता अम्बाराम निवासी ग्राम सिंहासा रोड के खिलाफ केस दर्ज किया है। हमले में घायलों के नाम अर्जुन, रामचंद्र और रामकोर बताए गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि हम मौसी के बेटे योगेश की बारात में जा रहे थे। बारात में नाचने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान बीयर की कांच की बोतल का भी उपयोग हुआ। हमले में एक परिवार के तीन लोग घायल हो गए।

यहां भी भिड़े दो पक्ष

इसी प्रकार खेत में मलबा पटकने की बात पर दो किसानों के बीच विवाद हो गया। दोनो ने एक दूसरे पर ईट व पत्थर से हमला कर दिया। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक घटना निहालपुर मुंडी के खेत की हैं। मामले में एक पक्ष की तरफ से कैलाश पिता रामप्रकाश की रिपोर्ट पर संजू और उसके भाई पर केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि पडोसी संजू ने मेरे खेत मे पत्थर डाल दिये तो मैने उसे बोला कि तुमने मेरे खेत मे पत्थर डाल दिये है,तुम दो फीट नीचे पत्थर डालो और इन्हे हटाओ। इस पर संजू ने वहां से पत्थर हटाने से मना कर दिया और मुझे गालियां देने लगा। मैंने संजू को गालियां देने से मना किया तो संजू व उसके भाई दोनो ने पत्थर उठाकर मुझे मारे जिससे मेरे माथे पर चोट लगी है। दूसरे पक्ष की ओर से संजय पिता रामबक्श ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि मै मेरे खेत मे मकान बनवा रहा हूं, रास्ते मे कीचड़ होने से मैने रास्ते मे मटरियल डलवाया है । मै अपने घर पर दूध निकाल रहा था तभी कैलाश ने मुझे फोन लगाकर खेत पर बुलाया इस पर मै अपने खेत पर गया तो कैलाश बोला कि तूने मेरे खेत मे मलबा क्यों डलवाया तो मैने उसे बोला कि मैंने तो रास्ते मे मलबा डलवाया है । इस पर कैलाश मुझे गाली देने लगा । मैंने कैलाश को गालियां देने से मना किया कैलाश ने वही पड़ी ईट से मेरा सिर फोड़ डाला। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

किराए के विवाद में मारपीट

इधर मकान किराया न देने को लेकर हुए विवाद में युवक और दो युवतियों के साथ मारपीट कर दी गई। पुलिस ने केस दर्ज किया है। राहुल रामकिशन साहू(28) निवासी ग्राम मासोद जिला बैतूल हाल मुकाम मांगलिया की शिकायत पर आरोपी गुड्डू राठौर,उसकी पत्नी और बेटी राहुल के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने फरियादी, उसकी पत्नी नीतू और शिवानी से मकान का किराया देने की बात पर विवाद किया और गालियां दी। लात घूंसों से मारपीट की, जान से मारने की धमकी भी दी।

रैकी कर की थी बर्तन व्यापारी से लाखों की लूट

तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्त में लिया

इंदौर (नगर संवाददाता)। वृद्ध बर्तन व्यापारी के साथ हुई लाखों रुपए की लूट के मामले में पुलिस मशक्कत के बाद तीन आरोपियों को पकड़ा और उनसे कड़ी पूछताछ की तो पता चला कि एक आरोपी को जानकारी थी कि व्यापारी के पास लाखों रुपए रहते हैं। इसलिए योजना बनाकर रैकी कर वारदात को अंजाम दिया था।

वारदात एरोड्रम थाना क्षेत्र के रोकड़िया हनुमान मंदिर के पास × मई को हुई थी। फरियादी बाबूलाल पिता मोहनलाल गोयल निवासी द्वारकाधीश कालोनी ने पुलिस को बताया कि उसकी बर्तन बाजार में दुकान है। वह रोज की तरह घटना वाले दिन भी दुकान की सिल्क्र लेकर अपनी एक्टिवा एमपी-09-एसटी-7668 से अपने घर जा रहा था। रोकड़िया हनुमान मंदिर के पास रात 8.15 बजे पहुंचा था। तभी पीछे से सफेद कलर की एक्टिवा पर तीन युवक आए और मेरी एक्टिवा के साइड में आकर रुक गए। मैं कुछ समझ पाता, इसके पहले ही बाइक से तीनों युवक उतरे। एक बदमाश ने कालर पकड़कर खींचा और मारपीट की। मारपीट से बाईं आंख और दाहिनी कोहनी पर चोट लगी। इसी बीच, दूसरे बदमाश ने मुझे धक्का दिया तो मैं अपनी एक्टिवा सहित गिर गया। उसका साथी बदमाश मेरी एक्टिवा लेकर भाग निकला। दो बदमाश भी अपने एक्टिवा से भाग गए। मेरी एक्टिवा की डिक्की में करीब 8 लाख रुपए की सिल्क्र थी। घटना के बाद मैंने तत्काल अपने परिजनों को जानकारी दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर आरोपी को पकड़ने टीम गठित की गई। ढेढ़ सौ से अधिक फुटेज खंगाले टीम ने घटना स्थल और उसके आसपास लगे 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। फुटेज में बाइक नंबर आ गया था। बाइक नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की। यह आरोपी आए गिरफ्त में मशक्कत के बाद पुलिस ने लूट की वारदात को अंजाम देने वाले पवन पिता दगड़ू दाभाडे निवासी रामकमल रेसीडेंसी गोम्मटगिरी, लाला पिता किशन सोनोने निवासी लड्डू सेठ की गली छत्रीबाग कालोनी तथा अखिलेश पिता मुन्नालाल उरिया निवासी मोडल विलेज कालोनी लालबाग को पकड़ा। पांच साल से थी पहचान आरोपी अखिलेश ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसकी फरियादी से पांच साल से पहचान है। लोडिंग वाहन से मैं दुकान का सामान लाता था। मुझे पता था कि फरियादी रोज एक ही रास्ते से रोज की खरीदी-बिक्री का पैसा लेकर जाता है। इस पर फरियादी को लूटने का षडयंत्र रचा। थाना क्षेत्र में ही घूमते रहे दो साथियों को वारदात के लिए तैयार किया, जैसे ही दोनों ने सहमति दी, वारदात कारित कर दी। वारदात के बाद पुलिस को शक नहीं हो सके, इसलिए थाना क्षेत्र में ही घुमते रहे। तीनों आरोपी ड्राइवरी करते हैं। आरोपी पवन कुछ दिन पहले ही जेल से हत्या के एक मामले में जमानत पर रिहा हुआ है। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ कर रही है।

तरणताल में नहाते वक्त युवक की संदिग्ध मौत

इंदौर (नगर संवाददाता)। बेटमा इलाके में एक फार्म हाउस में बने तरणताल में नहाते के दौरान एक युवक ने पानी में गोता लगाया तो फिर बाहर ही नहीं निकला। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। बेटमा के मोना ग्राम में रविवार शाम टाट पट्टी बाखल निवासी 30 वर्षीय ठेकेदार तेहनून पिता नवाब खान की फॉर्म हाउस में बने तरणताल में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, शाम करीब 6 बजे तेहनून ने तालाब में ऊपर से डुबकी लगाई, लेकिन काफी देर तक वह पानी से बाहर नहीं आया। कुछ देर बाद साथियों ने उसे खोजकर बाहर निकाला। तुरंत अन्नपूर्णा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल यूनिक ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिवारजनों का कहना है कि तेहनून को तैरना अच्छी तरह से आता था। इसके बावजूद वह डूब गया। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि शायद उसे पानी में चोट लगी हो या फिर किसी अन्य कारण से उसकी जान गई हो। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के असली कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

अकारण विवाद कर नाबालिग को नुकीली चीज मार किया घायल, केस दर्ज

इन्दौर। अज्ञात व्यक्ति एक नाबालिग को रास्ते में रोक क्यों रे मुझे घूर क्यों रहा है कहते हुए उसे चाकू जैसी नुकीली चीज से घायल कर भाग गया। मामला चंदननगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चंदननगर थाना पुलिस के अनुसार मोहम्मद अली पिता मोहम्मद इलयास उम्र चौदह साल निवासी अम्मार नगर की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को दर्ज अपनी शिकायत में बताया कि मैं अम्मार नगर आईसक्रीम फेक्ट्री के सामने से अपने दोस्त इमरान के साथ जा रहा था तभी एक अज्ञात युवक आया और मुझे बोला कि क्यों रे मुझे क्यों घूर रहा है.. इस पर मैंने उससे बोला कि मैं तुमको क्यों घूरूंगा ? इस पर उसने विवाद किया और गालियां दी। उसे गाली देने से मना किया तो उसने अपने पास रखी चाकू जैसी नुकीली चीज से मुझ पर वार कर दिया। इससे मुझे चेहरे पर चोट लगी और खून निकलने लगा। हमले के बाद आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज और फरियादी द्वारा बताए हुलिए के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने जोन-2 में निकाला एरिया डोमिनेशन मार्च

इंदौर। आपरेशन क्राइम कंट्रोल के तहत अपराधियों में खौफ पैदा करने एवं आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए जोन-2 के इलाके में पुलिस ने एरिया डोमिनेशन मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस टीम बाइक और पुलिस वाहन में पूरे इलाके में घूमी। एरिया डोमिनेशन मार्च अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य के लिए किया गया है। पुलिस उपायुक्त जोन 2 अभिनव विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को जोन-2 के अंतर्गत समस्त एसीपी एवं सभी थाना प्रभारी तथा पुलिस बल द्वारा एरिया डोमिनेशन मार्च निकाला गया जिसमें सभी अधिकारी व पुलिस बल दो पहिया वाहन के साथ सभी थाना क्षेत्र में एक साथ मार्च पर निकले। इसका मकसद आम जनता में संदेश देना कि पुलिस अपराध की रोकथाम हेतु सतर्क है।

नाबालिग को किये अश्लील इशारे, मांगा मोबाइल नंबर, केस दर्ज

इन्दौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। चंदन नगर थाना पुलिस के अनुसार चौदह वर्षीय नाबालिग पीड़िता की शिकायत पर आरोपी शक्ति निवासी राज नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीडिता ने अपनी दर्ज शिकायत में पुलिस को बताया कि मेरे घर के सामने रहने वाला शक्ति नाम का लडका पिछले कई दिनो से मेरा पीछा कर रहा है। और मेरे घर के बाहर खड़ा रहकर मुझे अश्लील गंदे गंदे इशारे करता है। तथा बात करने के लिये मेरा मोबाईल नंबर मांगते मुझे घूरकर देखता रहता है। कल जब मैं घर के बाहर आई तभी शक्ति ने मुझे गंदे गंदे इशारे किए तब मैंने यह बात अपने मामा दीपक और गौरव को बताई तो वह शक्ति के घर उसको समझाने गये जिस पर शक्ति व उसके घर वालो ने मेरे मामा दीपक व गौरव को गालियां देना शुरू कर दिया समझाने पर भी वे नहीं माने। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोते समय ही कर दी थी हत्या, वीडियो ने खोला सच

भागने के पहले धरा गया मुलजिम

इंदौर (नगर संवाददाता)। नंदलालपुरा चौराहे के पास हुए कत्ल के मामले में तीन मिनट का वीडियो सामने आया है, जिसमें नई उम्र के लड़के ने नशे के चक्कर में हत्या कर दी। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि पता चल सके कि नशा कहां सप्लाय हो रहा है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले नंदलालपुरा सब्जी मंडी में नारायण पांचाल (45) की लाश मिली थी। सिर पर पत्थर मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया था। एसीपी विनोद दीक्षित, टीआई विजयसिंह सिसौदिया ने मौके पर जाकर देखा तो सामने ही कैमरा लगा था, जिसमें तीन मिनट का वीडियो है। उस वीडियो में पुलिस ने आरोपी को हत्या करते देखा, जिसमें वो पहले सोते हुए बुजुर्ग को पत्थर मार रहा है। उसके बाद डेढ़ मिनट पश्चात फिर वो लौटकर आता है और गाड़ियों की आहट दिखने के कारण छुप जाता है। आधा मिनट बाद वापस लौटकर आता है और नारायण की जेब से पैसा निकालकर ले जाता है। नारायण को तो उठने का मौका ही नहीं मिला। वो सोते-सोते ही मौत की आगोश में समा गया। पुलिस ने जैसे ही जांच-पड़ताल शुरू की

तो इस बात का पता चला कि हत्या करने वाला मुलजिम आसपास का ही दिख रहा है। पुलिस ने जाल बिछाया तो पता चला कि वो देव शिंदे हैं और सब्जी मंडी में ही रहता है। पुलिस ने जब उसकी तलाश की तो मिला नहीं। उसका कोई ठिकाना नहीं था। बैग नगर निगम की मल्टी में रखा था और वहीं पर सोता था। जैसे ही बैग लेने के लिए आया, वैसे ही पुलिसवालों ने उसे पकड़ लिया और थाने ले गए। जब उससे पूछताछ की तो उसने कत्ल कबूल लिया और कहने लगा कि लूट के इरादे से ही उसने हत्या की है। वो मूल रूप से दुधिया महाराष्ट्र का रहने वाला निकला है। उसके माता-पिता को छोड़कर इंदौर आ गया था और यहां पर नाना-नानी के पास रहता था, लेकिन बाद में उन्हें भी छोड़ दिया था और गांजा-शराब की लत से लग गया था। उसी लत के चक्कर में उसने निर्दोष की हत्या कर दी। मौके से पुलिस ने पत्थर भी जब्त कर लिया है और उसका शर्ट भी बरामद कर लिया है। बताते हैं कि छह महीने पहले ही वो इंदौर आया था और नंदलालपुरा सब्जी मंडी में नशे की लत के चक्कर में रूक गया था, लेकिन किसी को ये पता नहीं था कि वो कत्ल कर देगा, क्योंकि उसकी उम्र 18 साल है और शंका है कि वहां पर भी वो अपराध करके आया है। पुलिस इस बारे में जानकारी पता कर रही है।

भ्रष्टाचार की पर्याय बनी ग्राम पंचायत जलूद

बेबस ग्रामीण, सुस्त जांच से उठते सवाल

महेश्वर। ब्लॉक की जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जलूद इन दिनों प्रशासनिक निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हुई है। पंचायत कार्यालय में कामकाज ठप है और ग्रामीण अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए भटकने को मजबूर हैं। इस स्थिति का मुख्य कारण पंचायत के पूर्व सचिव कालू सिंह पटेल पर लगे गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप और उनके द्वारा नए सचिव को प्रभार हस्तांतरित करने में आनाकानी करना बताया जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सचिव कालू सिंह पटेल ने अपने कार्यकाल में फर्जी वाउचर और गलत कार्यों के नाम पर लाखों रुपए का गबन किया है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह ने ग्रामीणों की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 16 अप्रैल को कालू सिंह पटेल को जलूद ग्राम पंचायत के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया था और पड़ोसी ग्राम पंचायत के सचिव परमानन्द पांडे को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी थी। इस मामले में जनपद पंचायत सीईओ रीना चौहान ने भी 24 अप्रैल को कालू सिंह पटेल को पत्र जारी कर जलूद पंचायत का समस्त प्रभार परमानन्द पांडे को तत्काल सौंपकर अवगत कराने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके, आज तक कालू सिंह पटेल द्वारा प्रभार नहीं सौंपा गया है। हालांकि, जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह के स्पष्ट आदेश और जनपद पंचायत सीईओ रीना चौहान के निर्देश के बाद भी 24 दिन बीत जाने के बाद भी कालू सिंह पटेल ने न केवल पंचायत का प्रभार परमानन्द पांडे को नहीं सौंपा है, बल्कि वे अब भी पंचायत के कामकाज में पर्दे के पीछे से दखलअंदाजी कर रहे हैं, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

पंचायत कार्यालय नियमित रूप से नहीं खुल रहा है, जिसके चलते ग्रामीणों को जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और आवास योजना जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कालू सिंह पटेल के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की एक विस्तृत शिकायत जिला कलेक्टर भव्या मित्तल और जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह को सौंपी थी। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने 26 अप्रैल को एक उच्च स्तरीय जांच दल का गठन किया था। इस जांच दल में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, संभाग महेश्वर के कार्यपालन यंत्री जगदीश चन्द्र पंवार और मनरेगा जिला पंचायत खरगोन के लेखा अधिकारी मंसाराम कनासे शामिल थे।

जांच दल को पांच दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था। लेकिन, चौंकाने वाली बात यह है कि आदेश जारी होने के लगभग 15 दिन बीत जाने के बावजूद इस जांच दल के दोनों अधिकारियों ने अब तक कालू सिंह पटेल के खिलाफ लगाए गए 30 गंभीर आरोपों की जांच शुरू तक नहीं की है न तो उन्होंने शिकायतकर्ताओं से संपर्क किया है और न ही पंचायत कार्यालय का दौरा कर कोई पड़ताल की है। वरिष्ठ अधिकारियों के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जांच अधिकारियों की यह लापरवाही कई सवाल खड़े करती है। क्या प्रभावशाली लोगों के दबाव में मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है? यह संदेह जलूद के ग्रामीणों के मन में गहराता जा रहा है। ग्रामीण इस पूरे घटनाक्रम से बेहद निराश और आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि एक तरफ एक भ्रष्ट सचिव खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार अधिकारी मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पंचायत में कामकाज ठप होने से विकास कार्य पूरी तरह से रुक गए हैं और आम जनता को परेशान होना पड़ रहा है।

ग्रामीण और पंच दीपक सिंह कुशवाह ने बताया कि पूर्व सचिव कालू सिंह पटेल द्वारा प्रभारी सचिव परमानन्द पांडे को आज तक वित्तीय और कार्यालय का कोई रिकॉर्ड विधिवत रूप से नहीं सौंपा गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार की जांच में हो रही देरी का फायदा उठाकर अभी भी अधूरे काम करवाए जा रहे हैं, ताकि जांच में अनियमितताओं को छुपाया जा सके। कुशवाह ने यह भी आशंका जताई कि कालू सिंह पटेल जलूद में स्थाई रूप से स्थानांतरण करवाने के लिए प्रयासरत हैं और यदि उनकी शिकायत पर निष्पक्ष जांच नहीं होती और कालू सिंह पटेल को पुनः पदस्थापित किया जाता है, तो वे न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

एक अन्य ग्रामीण मोनू ठाकुर ने बताया कि उनके द्वारा जनपद पंचायत सीईओ को जलूद पंचायत के कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत की गई थी, लेकिन आज तक कोई जांच नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हटाए जाने के बावजूद पूर्व सचिव अभी भी गलत कार्यों पर लीपापोती कर रहा है, जो विभाग की नरमी का नतीजा है।

पंच शैलेंद्र सेंगर ने कहा कि जांच दल ने शिकायतकर्ताओं से आज तक कोई संपर्क नहीं किया है। 15 दिन बीत जाने के बाद भी जांच शुरू नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी देरी क्यों हो रही है और कहीं यह कालू सिंह पटेल को सबूत मिटाने का समय तो नहीं दिया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके द्वारा ग्राम पंचायत जलूद के सचिव से अतिरिक्त प्रभार लेकर पास की पंचायत के सचिव को तत्काल सौंपने के आदेश जारी कर दिए गए हैं और यदि अभी तक चार्ज नहीं दिया गया है तो वे इसकी जांच करवाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जलूद पंचायत की जांच के लिए दल गठित कर दिया गया है और शीघ्र ही जांच पूरी कर रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हल्की हवा आंधी के बीच मैदान में छक्के चौके की बारिश

बड़वाह। संस्था राजवंश के द्वारा आयोजित किया जा रहा क्रिकेट टूर्नामेंट अब अपने सभा पर है टूर्नामेंट के चौथे दिन हल्की हवा आंधी का व्यवधान जरूर पड़ा लेकिन मैदान में छक्के चौके की बारिश ने दर्शकों का मन मोह लिया। आज खेले गए सभी मैच हाई स्कोर रहे। प्रदेश भर की प्रतिभाओं का बड़वाह में प्रदर्शन करवाने का, इस आयोजन को करवाने के पीछे जो उद्देश्य था वह फलीभूत होता दिखाई दिया।

प्रतिभावान बल्लेबाजों ने जमकर बाल को उधेड़ा और सीमारेखा के बाहर का रास्ता दिखाया। दर्शकों को मह के बल्लेबाज मयंक के द्वारा लगातार 5 छक्के लगाने एवम बड़वाह के प्रखर गांव शिंदे और मनावर के प्रफुल्ल द्वारा एक ओवर में 5 गगनभेदी छक्के मारने का आनंददायक क्षण भी इस दौरान देखने को मिला। आज सेंधवा, मनावर, सांवेर मह, बड़वाह बी, मॉर्निंग क्रिकेट क्लब बड़वाह, आरवी एलवन बड़वाह के मैच हुए। आरवी 11 बड़वाह और मार्निंग क्रिकेट क्लब के बीच हुए हाई स्कोरिंग मैच टॉस जीत कर आरवी 11 बड़वाह ने गेन्दबाजी ली। मॉर्निंग क्रिकेट क्लब बड़वाह ने धुंआधार बेटिंग करते हुए 6 ओवर मे 98 का टारगेट दिया। प्रखर गावशिंदे ने टूर्नामेंट की सबसे तेज फिफ्टी मारते हुए 15 बॉल मे 60 रनों की शानदार पारी खेली। शिव 21 रन ने भी हाथ जमाए। बाद में बेटिंग करते हुए आरवी इलेवन की टीम तुषार मेंडिस की सधी हुई बोलिंग 2 ओवर में महज 5 रन के सामने घुटने टेक दी। सेंधवा मनावर के बीच हुए हाई स्कोर मैच में हवा आंधी के व्यावधान के कारण मैच 5 ओवर का किया गया जिसमें अंकित और सन्नी ने शानदार बेटिंग करते हुए मनावर को 94 रनों का विशाल लक्ष्य दिया, इस दौरान दोनों ने अंतिम ओवर में 28 रन भी बटोरे।

आपका पीछा करने उतरी मनावर के लिए पांच ओवर में 95 रनों का असंभव सा लक्ष्य था। लेकिन प्रफुल ने एक ओवर में लगातार 5 छक्कों को सहायता से 33 रन मारकर मैदान धुआधार कर दिया। और मनावर ने इतना विशाल स्कोर चेस कर लिया। इस मैच में कुल 22 छक्के लगे।

टूर्नामेंट की सबसे शक्तिशाली टीम सावेर और मह के बीच हुए मैच में भी दर्शकों ने चौके छक्के का खूब आनंद लिया। इस मैच में कुल 18 छक्के लगे। मह के लिए मयंक और श्री की शतकीय साझेदारी की बदोलत 6 ओवरों में 115 रनों का लक्ष्य सांवेर को दिया । जिसे वे कुछ ही अंतर से हार गए। सांवेर ने अच्छा प्रयास किया ।

आज के मुख्य अतिथि पटेल मोटर्स इंदौर के मालिक पी पटेल, मनोहर दुलगज, कैलाश पंवार, आदि थे। इन्होने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। उक्त जानकारी आयोजन के मीडिया प्रभारी विशाल सन्नी द्वारा प्राप्त हुई।

हजरत सूफी बाबा का 129 वा उर्स मुबारक 13, 14 ,15 मई को मनाया जाएगा

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे। कसरावद में हर साल की तरह इस साल भी हजरत सूफी वजीर मोहम्मद कुतुबे आफताब रहमतुल्ला अलैह का 129 वा उर्स मुबारक 13 14 15 मई को मनाया जाएगा जिसमें 13 मई मंगलवार को शाम 5-00 बजे चादर पेश की जाएगी।

14 मई को रात 9-00 बजे महफिल कव्वाली का प्रोग्राम रखा गया है इसमें कव्वाल पार्टी अदनान अजीम नाजा बॉम्बे, सनम साहिबा दिल्ली अपने कलाम पेश करेंगे 15 मई सुबह 9-00 बजे रंग एवं लंगर का आयोजन किया जाएगा सज्जादानशीं अब्दुल अज़ीज़ सूफी, उर्स कमेटी सदर अबरार पठान, नायब सदर जाहिद अजमेरी, शहर सदर रईस कुरैशी,सेक्रेटरी मुजाहिद खान, जॉइंट सेक्रेटरी मजहर खान, फरीद कुरैशी, अकील शेख, तस्लीम खान पूर्व पार्षद, सलीम खान लंगर कमेटी सदर , वासिक सूफी, राजा सूफी, इरफान सूफी, राजा मीडिया और कमेटी के सदस्य ।

2 दिन के भीतर काम प्रारंभ नहीं करने पर 4 फर्मों के टेंडर निरस्त करने की कार्यवाही होगी

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे। कसरावद कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने 12 मई को जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान नल जल योजनाओं का कार्य समय सीमा में नहीं करने पर चार फर्मों को चेतावनी दी है कि दो दिनों के भीतर उनके द्वारा नल-जल योजना का काम प्रारंभ नहीं किया गया तो उनका टेंडर निरस्त कर नया टेंडर किया जाएगा । इनमें अंजनी डेवलपर्स इंदौर, प्रगति इलेक्ट्रोकाम गुड़गांव, ओम शिवम् कसरावद एवं स्टोन क्रेशर कसरावद शामिल हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री द्वारा इन फर्मों के संचालकों से बात की जा रही है। यदि उनके द्वारा दो दिन में काम प्रारंभ नहीं किया गया तो उनका टेंडर निरस्त कर नया टेंडर किया जाएगा। नल-जल योजना में समय पर काम नहीं करने के कारण डार्विन और पंत इंटरप्राइजेज का टेंडर पूर्व में ही निरस्त कर नया टेंडर निकाला गया है और नये टेंडर के अनुसार उनके काम अन्य फर्मों को दिए जा रहे हैं।

कृषक मिलन समारोह आयोजित किया गया

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे । कसरावद शक्तीमान कंपनी एवं पटेलआँटो पार्टस कसरावद के संयुक्त तत्वाधान मे वेक्युम प्लांटर के द्वारा बीज बोने की मशीन न्यूमेट्रीक प्लांटर हेतु कृषक मिलन समारोह आयोजीत किया गया जिसमे प्लांटर के द्वारा बोने पर किसानो को जो फायदा होता है उसके बारे में चर्चा हुई जैसे की बीज की मात्रा कम लगती हो समान दूरी पर बीज बोया जाता ही

और अंकुरण भी समान होता है एवं उत्पादकता में वृद्धी करता है साथ ही कम्पनी द्वारा पिछले सीजन के न्यूमेट्रिक प्लान्टर के ग्राहकों को अवार्ड देकर प्रोत्साहीत किया गया।

इस कार्यक्रम मे विशेष रुप से श्री मनीष कुमार मिश्रा(कृषि अभियान्त्री की खरगोन) ने भी बताया गया कि इस मशीन पर हमारे विभाग द्वारा अनुदान दिया जाता है इस कार्यक्रम मे संपूर्ण निमाड़ क्षेत्र - के करिब 200 किसान कार्यक्रम मे उपस्तिथ थे।

अमित चौरसिया केजीएम
शक्तिमान कंपनी
मनीष कुमार मिश्रा
सहायक कृषि यंत्र खरगोन

भगवान नृसिंह का प्रकट उत्सव मनाया विराजित हुए भगवान

संत समागम के साथ हुआ भंडारे का आयोजन

महेश्वर। रविवार को मां रेवा के पावन तट पर बने नृसिंह मंदिर में भक्त और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जहां भगवान नृसिंह की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई वहीं नर्मदा क्षेत्र के संतों का अद्भुत समागम ने इस अवसर को चिरस्थाई बना दिया।

वैदिक मित्रों के साथ भक्त वत्सल भगवान नृसिंह को दोपहर 12 बजे मुख्य वेदी पर विराजित किया गया। इस पर्व पर जय नृसिंह के जय घोष से पूरा सभा मंडप गूंज उठा । यज्ञाचार्य पंडित राकेश भटेले एवं ब्राह्मणों के वेद मत्रों के साथ नागेश्वर धाम गुलावाड़ वाले परम पूज्य बाबा महेश जी उपाध्याय, धार से पधारे श्री मंडन मिश्र सेवा संस्थान के मार्गदर्शन श्री पुंडरीक नारायण जी शास्त्री के सानिध्य में भगवान नरसिंह की मूर्ति स्थापना संपन्न हुई।

पांच दिवसीय अनुष्ठान के अंतिम दिवस नित्य पूजन के बाद लक्ष्मीनारायण यज्ञ में श्री सूक्त पुरुष सूक्त के मित्रों से आहुतियां डाली गईं। शाम 5 बजे विद्वत संतों के सानिध्य में पुण्यावाचन के साथ लक्ष्मीनारायण यज्ञ की पूर्णाहुति हुई । इस अवसर पर जो आनंद बरस रहा था उसकी व्याख्या शब्दों में करना कठिन। भक्ति मय माहौल और मां नर्मदा का पावन तट पर आनंद ही आनंद बरस रहा था। इस अवसर पर पधारे सभी संतों का स्वागत पूजन वंदन कर आशीर्वाद लिया।

भगवान नृसिंह के जन्मोत्सव पर भगवान का मनमोहक सिंगर किया गया। संध्याकाल 7 बजे भगवान के जन्मोत्सव की महाआरती हुई। इस पुनीत पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया पूरा तपोवन जय नृसिंह के गुंज से गूंजायमान होता रहा । भक्तों ने प्रभु के आकर्षक श्रंगार का दर्शन कर धर्म लाभ लिया। महाआरती के बाद सभी भक्तों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। भगवान नृसिंह प्राणप्रतिष्ठा , प्राकट्योत्सव के साथ लक्ष्मीनारायण यज्ञ व नर्मदा संस्कृत पाठशाला का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर पधारे सभी विद्वत संतो व भक्तों का आभार देवेंद्र शास्त्री व सुरेश अग्रवाल ने माना।

आपदा प्रबंधन हेतु सिविल डिफेंस वॉलंटियर(स्वयंसेवकों) का चिन्हांकन

रतलाम। जिले में आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ किए जाने हेतु तथा आशंकित विभिन्न खतरों/आपदाओं की स्थिति से निपटने तथा राहत कार्य सुगम किए जाने हेतु सिविल डिफेंस वॉलंटियर(स्वयंसेवकों) का चिन्हांकन ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों हेतु किया जाना है। उक्त सिविल डिफेंस वॉलंटियर(स्वयंसेवकों) का कार्य अपनी स्वेच्छा से प्रशासन को विभिन्न परिस्थितियों में सूचना का आदान-प्रदान एवं प्राथमिक राहत कार्य में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अपर कलेक्टर डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने बताया कि आपदा राहत की परिस्थितियों में स्वेच्छा से सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले इच्छुक सेवाभावी व्यक्ति जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो अपने क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय मंव आवश्यक दस्तावेजों के साथ (2 पासपोर्ट फोटो, निर्धारित पहचान पत्र, विशेष तकनीकी योग्यता(यदि कोई हो) संबंधी जानकारी) के साथ नियत प्रारूप में सिविल डिफेंस वॉलंटियर (स्वयंसेवकों) हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त कार्य हेतु जिला प्रशासन द्वारा पृथक से प्रशिक्षण दिया जावेगा। भूतपूर्व सैनिक, एन.सी.सी, एन.एस.एस कैडेट्स आदि को प्राथमिकता दी जावेगी। उपरोक्त कार्य स्वेच्छिक सेवा प्रदाता के लिए होगा जिसके लिए पृथक से कोई भी मानदेय नहीं दिया जावेगा।

महापौर ने किया वार्ड 46 में 30 लाख के विकास कार्यो का भूमि पूजन

रतलाम। वार्ड क्रमांक 46 में 30 लाख के विभिन्न विकास कार्यो का भूमि पूजन महापौर प्रहलाद पटेल ने क्षेत्रिय पार्षद कमद्धीन कचवाय, पार्षदगण व क्षेत्रिय नागरिकों के साथ विधिवत् पूजा-अर्चना कर किया। महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि निगम परिषद द्वारा नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य करवाये जा रहे है जिसके तहत वार्ड क्रमांक 46 स्थित राम भवन की गली में 3.40, कुम्हारो का वास में 6.60, वेदव्यास कॉलोनी में 7.40 व बरगुंडो के वास में 13.00 लाख इस तरह कुल 30.40 लाख की लागत से सीमेन्ट कांक्रीट सड़क का निर्माण किया जायेगा। उन्होने कहा कि नगर निगम परिषद जनता की मंशानुरूप विकास कार्य करवा रही है नागरिको का भी दायित्व है कि रतलाम नगर को स्वच्छ सुन्दर बनाने हेतु अपने घरो व दुकानों से निकलने वाले कचरे का स्त्रोत पर ही पृथक्कीकरण कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन के पृथक-पृथक भागों में डाले। इस अवसर पर महेन्द्र कटारिया, अठानाजी, नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, पार्षद नासिर कुरेशी, सलीम बागवान, वहीद शैरानी, पूर्व पार्षद राकेश झालानी, रजनीकान्त व्यास, राजीव रावत के अलावा लक्ष्मीनारायण काका, सुजीत उपाध्याय, गणेश यादव, दिलीप टांक, प्रदीप राठौर, बसंत पंड्या सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

विधा देवी खत्री के नेत्रदान से दो व्यक्तियों को मिलेंगी नई रोशनी

रतलाम। रतलाम के डोंगरे नगर निवासी नथुमल खत्री की धर्मपत्नी एवं जितेन्द्र खत्री की माताजी श्रीमती विधा देवी खत्री के दुखद निधन के उपरांत उनके नेत्रदान (कॉर्निया) से दो लोगों को नई दृष्टि प्राप्त होगी। नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने जानकारी दी कि यह प्रेरणादायक कार्य कमल खत्री एवं गिरधारीलाल वर्धानी की प्रेरणा से सम्पन्न हुआ। परिजनों की सहमति मिलते ही नेत्रम संस्था द्वारा बडनगर स्थित गीता भवन न्यास के ट्रस्टी एवं नेत्रदान प्रभारी डॉ. जी.एल. ददरवाल को सूचित किया गया। सूचना प्राप्त होते ही डॉ. ददरवाल अपनी टीम के सदस्यों चंचल पाटीदार और मनीष तलाच के साथ तत्परता से रतलाम पहुंचे और नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। इस पुण्य कार्य के समय नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत, ओमप्रकाश अग्रवाल, भगवान ढलवानी, सुशील मीनु माथुर और गोपाल राठौड़ (पतरा वाला) उपस्थित रहे। नेत्रम संस्था ने खत्री परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इस कार्य को समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बताया है। संस्था ने अपील की है कि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान के लिए आगे आएं और किसी के जीवन में रोशनी का कारण बनें। नेत्रदान हेतु नेत्रम परिवार के सदस्यों से संपर्क किया जा सकता है।

पुलिस द्वारा अभियान चलाकर सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु दो दिन में 366 वाहनों पर रिफ्लेक्टर रेडियम लगाए

रतलाम। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को ओवर लोडिंग वाहनों, बिना हेलमेट, यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों पर कारवाई करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष अभियान चलाकर भारी वाहनों विशेषकर ट्रैक्टर ट्रॉली पर रेडियम लगाने का अभियान चलाकर लोगों को भी सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में रतलाम पुलिस द्वारा लोडिंग वाहनों/ट्रैक्टर ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर रेडियन लगाने का दो दिवसीय अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिले भर में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों के विरुद्ध वाहन चालकों पर कारवाई की गई। साथ ही जिले भर में 366 पिकअप वाहन/ट्रैक्टर ट्रॉली/लोडिंग वाहन एवं अन्य वाहनो पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाये गये । साथ ही वाहन चालको को यातायात नियमो का पालन किये जाने हेतु समझाईश दी गई। सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु रतलाम पुलिस का सहयोग करे।

मंदिरों, देवालयों की व्यवस्था सुधारने तथा पुजारियों की समस्याएं हल करवाने का सनातन धर्म सभा ने उठाया बीड़ा

पुजारियों का सम्मेलन आयोजित

रतलाम। श्री सनातन धर्मसभा एवं महारूद्र यज्ञ समिति द्वारा मेहंदीकुई बालाजी मंदिर परिसर में रतलाम पुजारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री दण्डि स्वामी आत्मानंद सरस्वती जी ने संबोधित करते हुए कहा कि द्वापर युग तक केवल सनातन धर्म था बाकी सभी इससे ही निकले है। हम एक दूसरे को नीचा दिखाने की आदत छोड़े। आज के बदलते समय में सनातन धर्म को मजबूत रखना है सभी को साथ लेकर चलना आवश्यक है। श्री देवस्वरूपानंद जी ने कहा कि जिन्होनें ग्रंथो को पढ़ा है वह ब्राह्मणों को सम्मान देते है। यदी ब्राह्मण ना हो तो धर्म कौन बताएंगा। जिस घर में ब्राह्मण का सम्मान होता है वहां घर धर्ममयी होता है। जिस देश का राजा धर्ममयी होता है वहां की जनता स्वत ही धार्मिक हो जाती है। वेद शास्त्रों का पठन पाठन करने वाले ब्राह्मण देव स्वरूप होते है। जिनके हृदय में धर्म की जगह होगी, उनके हृदय में ब्राह्मणों के प्रति सम्मान होगा। श्री सनातन धर्मसभा एवं महारूद्र यज्ञ समिति अध्यक्ष अनिल झालानी ने शहर के समस्त पुजारियों एवं विप्र बंधुओं को आमंत्रित करने की आवश्यकता का विस्तार पूर्वक उल्लेख करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि रतलाम जिले के कई धार्मिक स्थानों पर मंदिरों की देखरेख, मेन्टेरेंस, पुजारियों की समस्याएं आदि बातों पर चिंतन करने के लिए सभी यहां एकत्रित हुए है। कार्य अपने स्तर पर या शासकीय स्तर पर, समस्याओं का कैसे निराकरण हो, इस पर विचार करने के लिए एक मत होकर निर्णय ले सकें, इसलिए आज यह बैठक बुलाई गई है । धार्मिक सम्पत्तियाँ जो भी है उनका सुव्यवस्थित संचालन हो सके, इसके लिए श्री सनातन धर्म सभा सभी पुजारियों के साथ है। जो शासकीय या ट्रस्ट एवं निजी मंदिर है उनका सुचारू रूप से व्यवस्थित संचालन अच्छे से हो सकें, सनातन समाज कहीं ना कहीं मंदिरों से या पुजारियों से जुड़ा हुआ है। सभी को एक साथ जोडऩे का यह एक प्रयास है। सनातन धर्म सभा ने सभी परिवारों को जोडऩे की प्रक्रिया में पुजारियों से सहयोग देने का आव्हान किया।

महर्षि संजय दवे ने मंदिरों और देवस्थानों में पूजन करने वाले पुजारियों, ब्राह्मणों को सम्मान देने व आदर करने की बात कहीं। सम्मेलन अखिल भारतीय पुजारी संघ अध्यक्ष पं. मुकेश शर्मा, ज्योति शिषण जन कल्याण समिति अध्यक्ष पं. जितेन्द्र नारायण नागर, पं. ओमप्रकाश शर्मा (ओआरएस), आचार्य महेशानन्द शास्त्री, पं. प्रकाश जोशी, पं. सोमेश शर्मा, पं. राजेश व्यास, पं. दीपक परसाई, पं. राजेश उपाध्याय, पं. भुपेन्द्र जोशी, श्री सनातन धर्म सभा के रमेश व्यास, रमेश लालचंद टांक, नवनीत सोनी, श्रीमती तारा सोनी, श्रीमती राखी व्यास, बंसीलाल शर्मा सहित कई वैदिक कर्मकांड करने वाले विप्र बंधु एवं मंदिरों की सेवा में लगे बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित थे। सम्मेलन का सफल संचालन संचालन डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने किया।

अवैध धारदार हथियार खटकेदार चाकु के साथ घुमते हुए आरोपी को रंगे हाथो पकड़ा

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा व नगर पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र घनघोरिया के मार्ग दर्शन में थाना औद्योगिक क्षैत्र रतलाम थाना प्रभारी निरीक्षक मुनेन्द्र गोतम के नेतृत्व मे थाना औघोगिक क्षैत्र मे अवैध धारदार हथियार खटकेदार चाकु के साथ घुमते हुए एक व्यक्ति को पकडने मे बडी सफलता प्राप्त की है। 11 मई को मुखबीर सुचना पर घटना स्थल 80 फिट रोड राजदा फर्निचर की गली मे से आरोपी रितिक पिता जितेन्द्र गोथवाल उम्र 20 साल निवासी परदेशीपुरा इन्दौर हाल जवाहर नगर रतलाम को अवैध हथियार एक लोहे का तेज धारदार खटकेदार चाकु के साथ रंगे हाथो पकडा जिस पर से थाना औघोगिक क्षैत्र रतलाम पर अपराध क्रमांक 367/2025 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक रतलाम द्वारा अवैध क्रियाकलाप मे लिप्त,असामाजिक तत्वो,अवैध शराब की ब्रिकी व परिवहन,अवैध हथियार रखने वालो के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही हेतु हेतु श्रीमान द्वारा आदेशित करने पर श्रीमान के आदेश के पालन मे थाना स्तर पर गठित टीम द्वारा थाना सर्कल मे नियमित भ्रमण कर सर्कल मे घुमने वाले संदेहियो,असामाजिक तत्वो,गुंडा,निगरानी बदमाशो एवं अवैध शराब की ब्रिकी/ परिवहन एवं अवैध हथियार रखने वाले आरोपीयो की नियमित पतारासी की जा रही है। उसी कडी मे दिनांक 11.05.2025 को पुलिस टीम द्वारा मुखबीर सुचना पर थाना सर्कल से आरोपी रितिक को अवैध हथियार धारदार खटकेदार चाकु के साथ रंगे हाथो पकडा आरोपी के विरुद्ध थाने पर अपराध पंजिबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

डायरेक्ट वालीबॉल स्पर्धा का समापन एवं पुरस्कार वितरण हुआ

रतलाम। जिला डायरेक्ट वालीबाल संघ द्वारा स्वर्गीय आर आर व्यास,रामचंद्र भाटी,शांतिलाल जैन डैडी, नवीन सोलंकी, शांतिलाल धाकड़, बसंतीलाल जी की स्मृति मेंआयोजित दो दिवसीय रेलवे वॉलीबॉल खेल मैदान पर ओपन आमंत्रित वालीबॉल स्पर्धा के दूसरे दिन रविवार शाम 5 से प्रारंभ हुए मैच रात को 2.30 बजे बारिश एवं विद्युत प्रदाय के कारण ब्रदर्स क्लब इंदौर एवं हरशोल को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।वहीं तृतीय एवं चतुर्थी स्थान के लिए पिपलोदा और शिवगढ़ को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। टांस के आधार पर विजेता ट्रॉफी इंदौर को एवं उपविजेता ट्रॉफी हरशोल को प्रदान की गई।स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार इंदौर के आदर्श कश्यप को प्रदान किया गया। रात 11.30 बजे महापौर प्रहलाद जी पटेल ने उपस्थित होकर खिलाडि़यों की हौसला अफजाई की तथा संबोधित करते हुए कहा कि जीत के जज्बे से जीवन में जीत का जुनून पैदा होता है, खेल से जीवन स्वस्थ रहता है स्वास्थ्य अच्छा रहता है,इस जोश भरे खेल में युवा से प्रोढ़ आयु के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, इसके बाद आपने खिलाडि़यों से परिचय प्राप्त किया।

मृत ऊंट देख रहा था, कार ने टक्कर मारी, मौत

फोटो नं. 13-5

रतलाम। मरे ऊंट को देखने सड़क पर खड़े दो लोगों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर है। उसे इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया। हालांकि, परिजन वडोदरा ले गए। एक्सीडेंट रतलाम के नामली फोरलेन पर रविवार रात करीब 10 बजे हुआ। टक्कर के बाद कार पलटकर डिवाइडर पर चढ़ गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, एयरबैग खुलने से कार सवारों की जान बच गई। वे मौके से भाग निकले। एमपी 43 सीबी 2261 नंबर की कार रतलाम के रामगढ़ निवासी जितेंद्र पिता अशोक कुमार राठौर के नाम पर रजिस्टर्ड है।

सड़क पर पड़े ऊंट को देखने पहुंचे थे दोनों शख्स

पुलिस ने बताया कि नामली फोरलेन ब्रिज के पास पंचेड़ फंटे से पहले सड़क पर एक ऊंट का शव पड़ा था। उसके आसपास बैरिकेड्स लगे थे। नामली के पल्दूना गांव निवासी बबलू जायसवाल और घटवास निवासी विक्रम जाट ऊंट को देखने उसके पास पहुंचे।

इसी दौरान रतलाम की तरफ से आई कार ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही नामली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने विक्रम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बबलू को इंदौर रेफर किया।

एक लाइनमैन, दूसरा किराना दुकान चलाता है

हादसे में मारा गया विक्रम जाट लाइनमैन था। वह रात में ड्यूटी से लौट रहा था। वहीं, बबलू पल्दूना गांव में ही किराना दुकान चलाता है। वह रतलाम से सामान लेकर लौट रहा था। कार की टक्कर से वह करीब 25 फीट दूर जाकर गिरा था। विक्रम के ममेरे भाई महेश जाट ने बताया कि उसके देवेंद्र (11) और उपेंद्र (4) नाम के दो बेटे हैं। घर में पत्नी, माता-पिता, बड़ा भाई है।

2 घंटे सड़क पर पड़ा रहा ऊंट, फिर दम तोड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऊंट करीब दो घंटे से फोरलेन पर घायल हालत में पड़ा था। बाद में उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलने पर पेट्रोलिंग गाड़ी और जेसीबी मौके पर पहुंची थी।

नामली थाना प्रभारी पातीराम डावरे ने बताया- कार की टक्कर से दो लोग घायल हुए थे। दोनों को रतलाम मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां एक की मौत हो गई। ऊंट कहां से आया, यह स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच जारी है।

कार ड्राइव कर रहे व्यक्ति की पुलिस को तलाश

नामली थाना प्रभारी पातीराम डावरे ने बताया की नामली का मोंटी राठौर नामक व्यक्ति कार चला रहा था। उसकी तलाश की जा रही है। कार को जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार का इंश्योरेंस भी खत्म हो चुका है। एमपी ट्रांसपोर्ट के अनुसार कार का इंश्योरेंस 23 मार्च 2024 तक ही वैध था।

भाई की डांट से नाराज छात्र छत से कूदा, 10वीं में हुआ था फेल

रतलाम। एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं में लगातार दूसरी बार फेल होने पर रतलाम में 17 साल के छात्र ने खुदकुशी का प्रयास किया। फेल होने पर बड़े भाई ने कहा नहीं पढ़ना है तो काम पर लग जा, इसी बात से नाराज़ होकर वो घर की तीसरी मंज़िल से कूद गया। परिजन रात में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से इंदौर एमवाय हॉस्पिटल रेफर किया। लेकिन परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां अभी वो आईसीयू में भर्ती है। घटना का विडियो रविवार रात को सामने आया है। छात्र रतलाम में कांग्रेस

पार्षद का भतीजा है। शहर के माणकचौक थाना अंतर्गत रहने वाले 17 वर्षीय छात्र ने दूसरी बार कक्षा 10वीं की परीक्षा दी थी। रिजल्ट 6 मई को आया। रिजल्ट में तीन सब्जेक्ट अंग्रेजी, संस्कृत और साइंस में सप्लीमेंट्री आई थी। छात्र के बड़े भाई ने उसे समझाया कि पढ़ाई नहीं होती है तो काम पर जाना चाहिए। इसी बात से नाराज होकर उसने रिजल्ट के अगले दिन 7 मई की रात 11.24 बजे वह अपने घर की तीसरी मंजिल की छत से नीचे कूद गया। परिजन रात में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां रात 2 बजे उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया। अगले दिन उसे प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम से इंदौर एमवाय हॉस्पिटल रेफर किया। परिजन उसे इंदौर में प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए। जहां वह वर्तमान में आईसीयू में एडमिट है। छात्र के बड़े पापा कांग्रेस से पार्षद है। उन्होंने बताया कि भतीजे को उसी के बड़े भाई ने पढ़ाई के लिए सामान्य रूप से बात की थी। 7 मई को उसने आराम से खाना खाया। मैच भी देखा। लेकिन रात में अचानक छत पर चला गया। 40 से 45 फीट की ऊंचाई से वह कूद गया।

तीन जगह फैक्चर, फेफड़े में हवा भरी

कांग्रेस पार्षद ने बताया कि भतीजे को कूल्हे, पैर की दोनों एड़ी व लेफ्ट हाथ में फैक्चर हुआ है। लेफ्ट साइड गिरने से उसके फेफड़े में हवा भर गई थी। जिसे ऑपरेशन के माध्यम से डॉक्टरों ने निकाल दिया है। पहले से स्थिति सामान्य है। बातचीत कर रहा है।

कैडेटस को नागरिक सुरक्षा के तरीके सिखाने के मुख्य उद्देश्य से एनसीसी शिविर का शुभारंभ

रतलाम। 21 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी, रतलाम द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 11 मई 2025 से 20 मई 2025 तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, सैलाना में किया जा रहा है।

शिविर के उदघाटन समारोह में कैडेटस तथा अन्य स्टॉफ को संबोधित करते हुए केम्प कमांडेन्ट कर्नल संदीप अहलावत ने राष्ट्र निर्माण में युवाओ के योगदान का महत्व व एनसीसी स्थापना से लेकर अब तक देश सेवा के लिए किए गए कार्यो का ब्योरा दिया । उनके द्वारा दस दिवसीय शिविर में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे- कवायद, हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग, फील्ड क्राफ्ट बैटल क्राफ्ट तथा मेप रीडिंग के बारे मे विस्तार से समझाया गया एवं उनके द्वारा विशेष रूप से बताया गया कि वर्तमान में भारत-पाकिस्तान में तनाव के कारण उत्पन्न युद्ध की स्थिति से निपटने के लिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन द्वारा कैडेटस को नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेन्स) की जानकारी एवं प्रशिक्षण इत्यादि इस शिविर में प्रतिदिन प्रदान किये जावेगें, ताकि कैडेटस प्रशिक्षित होकर किसी भी आपातकालीन एवं प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में राहत एवं बचान कार्य में प्रशासन की मदद कर सके। कर्नल अहलावत द्वारा बताया गया कि शिविर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद व अन्य प्रतियोगिताओं भी आयोजित की जावेगी। केम्प कमांडेन्ट ने एनसीसी अधिकारीयों व आर्मी स्टॉफ को निर्देशित किया कि वह प्रतिभागिता कर रहे कैडेटस में चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व के गुण विकसित करने में सहयोग प्रदान करें ताकि वे भविष्य में समाज तथा देशहित में अपना योगदान देकर एक अच्छे नागरिक का परिचय दे सके। शिविर में रतलाम, सैलाना, झाबुआ, मन्दसौर, नागदा, बडनगर, अलिराजपुर, कुक्षी जावरा तथा उज्जैन के लगभग 550 एनसीसी छात्र/छात्राओ द्वारा भाग लिया जा रहा है। केम्प कमांडेन्ट के उदबोधन के पश्चात राष्ट्रीय अपराध जॉच ब्यूरो (ह्ष्ट्ढक्च) के श्री राजेश सुराणा, राज्य निदेशक द्वारा कैडेटस को साइबर अपराध के विभिन्न तरीके व उनसे बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। श्री सुराणा द्वारा बताया गया कि आप अनजाने ईमेल, व्हाटसऐप विडियो काल, व्हाटसऐप संदेश, लुभावने प्रलोभन वाले संदेशों व कॉल पर प्रतिक्रिया न करें। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि यदि आप किसी तरह साइबर अपराधियों के चुंगल में फंसते हैं तो तत्काल अपने परिवार के सदस्यों को इससे अवगत कराएं और अनिवार्य रूप से साइबर पुलिस को इसकी जानकारी प्रदान करे। इस प्रकार साइबर अपराधी आपको ब्लेकमेल नहीं कर सकेगें और अपराधी के पकडे जाने की संभावना शत प्रतिशत हो सकती हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट योगेश कुमार पटेल, लेफ्टिनेंट हर्षवर्धन मेहसन, एफ/ओ माया मेहता, टी/ओ हरीश कुमार परिहार, सोहन सिंह बारिया, मुन्नेश बघेल, सादात खान, परवेश परमार, संदीप राय, पी0आई0 स्टॉफ तथा कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित थे।

झाबुआ जिला अस्पताल में हर्षोल्लास से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज़ डे

झाबुआ। अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज़ डे के उपलक्ष्य में झाबुआ जिला अस्पताल में आज एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग पेशे की सेवा भावना, समर्पण और योगदान को सम्मानित करते हुए विविध आयोजन किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सिंग सेवा की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ ने मिलकर केक काटा, जिससे आपसी सौहार्द और टीम भावना को बल मिला।

इस अवसर पर अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. बघेल, सिविल सर्जन डॉ. एम. एल. मालवीय, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (RMO) डॉ. सावन चौहान, सर्जन डॉ. चेतन चौहान, अस्पताल प्रबंधक श्री अखिलेश बघेल, स्टीवर्ड श्री सुनील कानूनगो, अस्पताल की मेट्रन सहित समस्त नर्सिंग अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नर्सों के करुणामय और निःस्वार्थ सेवा को स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ बताते हुए उनकी सराहना की। सभी नर्सिंग अधिकारियों को उनके समर्पण के लिए धन्यवाद दिया गया और उन्हें आगे भी इसी भाव से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जमनादासजी महाराज की 45वीं पुण्यतिथि मनाई

मेघनगर। जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री हनुमंत निवास आश्रम पिपलखुटा के महंत श्री 1008 जमनादासजी महाराज की 45वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आश्रम परिसर में धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। रविवार को महंत श्री की प्रतिमा, चरण पादुका का अभिषेक, पूजन के साथ उनकी समाधी पर वर्तमान गादीपति महंत श्री दयारामदासजी महाराज सहित सैकड़ों गुरूभक्तों ने पूजा अर्चना हवन पूजन कर बड़े महाराजजी की पुण्य तिथि मनाई।

हनुमत निवास आश्रम पिपलखुटा ना सिर्फ अंचल वरन समुचे झाबुआ जिले सहित सीमावर्ती राज्य गुजरात और राजस्थान के अनुयायी भी तपोभूमि के रूप में मानते हैं। यहां दुर-दुर से श्रद्धालु दर्शनार्थ हेतु वर्षभर आते हैं। पुण्यतिथि एवं नरसिंह जयंति के अवसर पर मंदिर में अखंड रामायण, हवन के साथ महाआरती की गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंदिर महंत दयारामदासजी महाराज ने बताया कि पिपलखुटा धाम की स्थापना बड़े गुरूजी ने की थी।

आज से 50 वर्ष पूर्व यह स्थाना घने वनों से पटा था, तब यहां के रहवासियों में धर्म की अखल जगाने वाले महाराज की आज भी जनजाति समाज के लोगों के लिए पूजनीय है। सोमवार को मंदिर में बुद्ध पूर्णिमा और वैषाख माह की पूर्णाहुति पर भी धार्मिक अनुष्ठान किए गए। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए यू तो वर्ष भर भोजन प्रसादी हेत भंडारा होता है किंतु बड़े महाराज की पुण्यतिथि एवं बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

म.प्र.जन अभियान परिषद ने मनाई आदि गुरु शंकराचार्य जयंती

निर्मल दुबे बड़वाह । म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा व्याख्यान माला एकात्मवाद एवं अध्यात्म के सूत्र में विश्व को नई दिशा देने वाले आदि गुरु शंकराचार्य जी के 1237 वे प्रकट उत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत म.प्र.जन अभियान परिषद ब्लॉक बड़वाह के द्वारा महाविद्यालय बड़वाह में व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें परम पूज्य इचलाई नाथ योगी जी मुख्य वक्ता के रूप में पधारे उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन एवं सन्यास के साथ सनातन संस्कृति के लिए किये गए उनके कार्यों के बारे मे विस्तार से बताया।

परिषद के जिला समन्वयक विजय शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु जी के जीवन पर संक्षिप्त विचार रखे। विशेष अतिथि एन.एस.सोलंकी भाजपा ग्रामीण मंडल उपाध्यक्ष ने कहाँ की गुरु जी ने 8वर्ष की अल्पायु मे घर छोड़ कर देश व सनातन धर्म के लिए जीवन समर्पित कर दिया।

देश मे चार मठो की स्थापना की व 32वर्ष की अल्पायु मे समाधी ली,उन्होंने अपना जीवन सनातन व सर्व समाज को समर्पित कर दिया। कार्यक्रम मे बड़वाह ब्लॉक की समस्त नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अशोक सोनी, महेंद्र गुर्जर, अजय प्रताप सिंह, धर्मेंद्रसिंह ठाकुर एवं प्रस्फुटन समिति के सभी अध्यक्ष एवं CMCLDP के छात्र और मेंटर अनिल कदम, संगीता पाटीदार, जितेंद्र पटेल, बी.आर. सांवले, विजय वर्मा, राजा सोलंकी आदित्य जाट उपस्थित रहे।

ग्राम फूटतलाव में पुलिस द्वारा खाटला बैठक आयोजित

खाटला बैठक के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों, साइबर अपराध एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

अलीराजपुर। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर श्री राजेश व्यास के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन में अलीराजपुर जिले के आदिवासी अंचलों में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, साइबर सुरक्षा तथा जन-जागरूकता हेतु फ्खाटला बैठकफ् जैसे लोकसंवादी माध्यमों का सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12 मई 2025 को थाना बोरी अंतर्गत ग्राम फूट तलाव में खाटला बैठक का आयोजन किया गया।

खाटला बैठक थाना प्रभारी बोरी निरीक्षक श्री नेपालसिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणजन, महिला-पुरुष, जनप्रतिनिधि एवं समाज के अन्य सम्मानीय नागरिक उपस्थित हुए। बैठक का मूल उद्देश्य ग्रामीण समाज को उन बुराइयों एवं अपराधों के प्रति जागरूक करना था, जो परंपरा, अज्ञानता या तकनीकी अशिक्षा के कारण अब भी समाज में मौजूद हैं।

खाटला बैठक के मुख्य बिंदु एवं संदेश-

नशा मुक्ति एवं नैतिक जागरूकता- श्री चौहान ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शराब, तंबाकू व अन्य मादक पदार्थों से दूरी बनाए रखें, क्योंकि ये न केवल स्वास्थ्य को हानि पहुंचाते हैं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक विघटन का कारण भी बनते हैं।

युवा वर्ग की दिशा निर्धारण पर विशेष बल- वर्तमान में कुछ युवा मोबाइल की लत, नशा एवं दोपहिया वाहन के अंधाधुंध प्रयोग के चलते अपराधों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे अभिभावकों को बाद में कानूनी एवं सामाजिक संकटों का सामना करना पड़ता है। माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें, उनकी संगत जानें और समय पर संवाद के माध्यम से उन्हें समझाये।

महिला सम्मान एवं बाल संरक्षण-समाज में महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार, बाल विवाह के खिलाफ चेतना और बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश प्रमुखता से दिया गया। सामाजिक कार्यक्रमों में अनुशासन-उत्सवों एवं सामाजिक आयोजनों में डीजे, शराब आदि पर अनावश्यक व्यय की आलोचना करते हुए अपील की गई कि ग्रामीण ऐसे खर्चों से बचें और सादगीपूर्ण व मर्यादित आयोजन करें।

साइबर सुरक्षा एवं मोबाइल उपयोग-वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, फर्जी ऐप्स, साइबर ठगी और डिजिटल अरेस्ट जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। निरीक्षक श्री चौहान ने ग्रामीणों को सावधान रहने, सत्यापित ऐप्लिकेशन के उपयोग एवं संदेहास्पद लिंक/कॉल से बचने की सलाह दी।

अभिभावकों को विशेष रूप से समझाया गया कि वे अपने बच्चों के मोबाइल उपयोग, सोशल मीडिया गतिविधियों और दोस्तों के साथ उनके व्यवहार पर सतत निगरानी रखें।

अपराध रोकथाम में जन सहभागिता-किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, संभावित अपराध या अपराधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया, जिससे समय रहते प्रभावी कार्रवाई संभव हो सके।

सरकारी जनकल्याण योजनाओं की जानकारी-बैठक में मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं, जैसे ङ्क मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजनाएं, स्वास्थ्य सेवाएं आदि की भी जानकारी साझा की गई, जिससे ग्रामीण सीधे लाभ ले सकें।

जनभागीदारी से अपराध नियंत्रण-सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया कि यदि गांव या आसपास किसी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, शंका योग्य व्यक्ति, या अपराधिक सूचना हो, तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। समय पर मिली सूचना से अपराध की रोकथाम व त्वरित निराकरण संभव होता है। खाटला बैठक के अंत मे थाना प्रभारी श्री चौहान ने उपस्थित ग्रामीणों को उनकी स्थाकनीय बोली में संवाद करते हुये यह विश्वास दिलाया कि पुलिस आमजन की सेवा व सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है। समाज में शांति, सुरक्षा एवं सद्भाव कायम रखने के लिए पुलिस व जनता के बीच सद्भावपूर्ण सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

अवैध हथियार तस्क री के दो आरोपी गिरफ़्तार

अलीराजपुर। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के नेतृत्व एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट श्री नीरज नामवेदव के मार्गदर्शन में जोबट अनुभाग के थानों द्वारा लगातार असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 12 मई 2025 को थाना उदयगढ़ क्षेत्र में एक अवैध 12 बोर देशी कट्टा जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 11 मई 2025 को थाना प्रभारी उदयगढ़ निरीक्षक बजभूषण हीरवे के अधीनस्थट पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि बायपास रोड पर एक व्यक्ति अवैध कट्टे के साथ खड़ा है। सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए उदयगढ़ पुलिस टीम मुखबीर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुंची।

मौके पर एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सायमल पिता राधुसिंह मुवेल, उम्र 22 वर्ष, निवासी घटवालिया फलिया, उदयगढ़ बताया। उसकी तलाशी लेने पर उसकी कमर में पैंट के अंदर छिपाकर रखा गया एक देशी 12 बोर का कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पूछताछ में उक्त शस्त्रन के संबंध मे कोई लायसेंस होना नही पाये जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर थाना उदयगढ़ लाया गया, जहाँ उसके विरुद्ध धारा 25(1)(1-ङ्क) आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा की गई आगे की पूछताछ में आरोपी सायमल ने बताया कि उसने उक्त हथियार राजेश पिता अमरसिंह कटारिया, उम्र 19 वर्ष, निवासी घटवालिया फलिया, उदयगढ़ से खरीदा था। इस पर पुलिस ने विक्रेता राजेश को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने जानकारी दी कि जिले में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पाये जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आमजन से अपील है कि यदि आपके आसपास कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति नजर आए, तो तत्काल पुलिस को सूचित कर सहयोग प्रदान करें।

सातसेरा से डेढ़ लाख की अवैध शराब पकड़ी

मेघनगर। आबकारी ने मेघनगर ब्लाक के ग्राम सातसेरा में एक सुने पड़े मकान से बियर कैन की 51 पेटी एवं मैकडावल व्हिस्की की 02 पेटी कुल 53 पेटी 630 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त की है। उक्त क्षेत्र में शराब तस्कर ग्रामीणों के मकानों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब भंडारित कर सीमावर्ती राज्य गुजरात में खपाते है। पुलिस और आबकारी की कम सक्रियता से मेघनगर से सटे नागनवाट, मांडली, मदरानी, गुवाली, वठ्या में बड़े पैमाने पर अवैध शराब की खैप तस्करी में उपयोग लाई जा रही है। गुजरात राज्य में शराब बन्दी और अधिक मांग के चलते वहां से सटे ग्रामों से होते हुए दाहोद शहर और वहां से गुजरात राज्य के अन्य हिस्सों में भी यही से शराब तस्करों के माध्यम से जाती है। मुखबिर की सूचना पर आबकारी ने कार्यवाही कर अवैध शराब को विधिवत जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

आशा कार्यकर्ताओं का टी.बी. उन्मूलन एवं सिकल सेल कार्यक्रम पर उन्मुखीकरण किया गया

झाबुआ। राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार एवं कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में 08 मई 2025 को विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर ("On the Side of Humanity" मानवता के पक्ष में) की थीम पर साप्ताहिक कार्यक्रम अंतर्गत 12 मई 2025 को शासकीय नर्सिंग कॉलेज बाडकुआ झाबुआ में टी.बी.उन्मूलन कार्यक्रम एवं सिकल सेल कार्यक्रम पर आशा कार्यकर्ता का उन्मुखीकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी.एस. बघेल द्वारा बताया गया कि सभी सिकल सेल मरीजो एवं वाहको को शासन द्वारा प्रदाय सिकल सेल जेनेटिक कार्ड उपलब्ध कराये एवं परामर्श प्रदान करें। टी.बी. लक्षण वाले सभी मरीजो की खखार की जांच कराये एवं टी.बी. से ग्रसित लोगो को उपचार प्रदान कर पंचायतो को टी. बी. मुक्त करायें ।

आपदा प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय और तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम से संपर्क करें

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए एवं आगामी वर्षा ऋतु के पूर्व आपदा प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय और तहसील स्तरीय नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। किसी भी प्रकार की आपदा, बाढ़, अतिवृष्टि एवं विपरीत परिस्थिति में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम के निम्नलिखित नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला स्तरीय कंट्रोल रूम

-07392-243169 (पीसीआर)
-7049140525 (पीसीआर)
-7587616959 (पीसीआर)
-07392-243319 (डीसीसीसी)
-9323915747 (डीसीसीसी)

तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम

तहसील झाबुआ- 8982188422/7393358043
तहसील रामा - 7879834399
तहसील रणापुर -9399756110/6260071953
तहसील मेघनगर -7587616935
तहसील थांदला -9131937872
तहसील पेटलावद -8319924244/8871370892

गेल इण्डिया लिमिटेड के उपक्रमों को नो ड्रोन ज़ोन घोषित किया

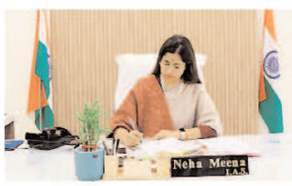

झाबुआ। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ने गेल इण्डिया लिमिटेड तहसील झाबुआ के गेलरकला में कम्प्रेशर स्टेशन, नरवलिया में SV-13 (A), ढेबर बडी में SV-13, तहसील पेटलावद के मोहनकोट में SV&RR, रायपुरिया में LSV12 एवं कसारबर्डी में SV&RR को सुरक्षा की दृष्टि से "No DRONE ZONE (for civil Drone)" घोषित किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेटलावद जिला झाबुआ के प्रतिवेदन एवं पुलिस अधीक्षक झाबुआ की अनुशंसा के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ने गृह विभाग भोपाल के आदेश के अनुक्रम में एवं मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 26 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए (1) Compressor Station ग्राम गेलरकला तहसील झाबुआ स्थित 43/2, 46/2, 47, 48, 49/2, 50/1, 125/2, 126/1, 127, 128, 129, 133/2, 134/1, 135, 136, 138, 139/1, 139/2, 140/1, 140/2, 141/2, 144 कुल रकबा 17.77 हेक्टेयर एवं स.नं. 137, 143 कुल रकबा 0.46 हेक्टेयर, (2) SV-13 ग्राम नरवलिया तहसील झाबुआ स्थित भूमि स.नं 78/6, 82 रकबा कमशः 0.50, 0.70 हेक्टेयर, (3) SV-13 ग्राम ढेबर तहसील झाबुआ स्थित स.नं. 793, 794 रकबा कमशः 0.01, 0.04 हेक्टेयर तथा (4) SV&RR ग्राम मोहनकोट तहसील पेटलावद स्थित भूमि स.नं. 321 रकबा 0.15 हेक्टेयर, (5) LSV12 ग्राम रायपुरिया तहसील पेटलावद स्थित भूमि स.नं. 44/2 रकबा 0.01 एवं सर्वे नं. 45 रकबा 0.06 हेक्टेयर, स.नं. 322 रकबा 0.0100 हेक्टेयर एवं स.नं. 323 रकबा 0.25 हेक्टेयर, (6) SV&RR ग्राम कसारबर्डी तहसील पेटलावद स्थित भूमि स.नं. 1882/2 रकबा 0.04 हेक्टेयर, स.नं. 1885/1/2 रकबा 0.05 हेक्टेयर, स.नं. 1885/2/1 रकबा 0.12 हेक्टेयर को निम्नांकित शर्तों के अधीन "NO DRONE ZONE" घोषित किया।

1. यह प्रतिबंध केवल सिविल "DRONE" पर लागू होगा।

2. राज्य सरकार/केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के किसी विभाग/उपक्रम पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

3. गेल (इंडिया) लिमिटेड, कम्प्रेशर स्टेशन झाबुआ अपने स्वयं के व्यय पर प्रतिबंधित क्षेत्र के बाहर सूचना पटल पर चेतावनी प्रदर्शित करेगा। उक्त के संबंध में यदि किसी के द्वारा उल्लंघन किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम सातसेरा से 1.51 लाख रुपये से अधिक की अवैध शराब जप्त की

झाबुआ। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर श्री संजय तिवारी द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरुद्ध ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में 12 मई 2025 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त मेघनगर के ग्राम सातसेरा तहसील मेघनगर में मुखबिर द्वारा बताये स्थान एक सुने पड़े मकान की विधिवत तलाशी लेने पर माउन्टस 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन कुल 51 पेटी एवं मैकडावल व्हिस्की की 02 पेटी इस प्रकार कुल 53 पेटी

(कुल- 630 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 1,51,320/- है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्री अकलेश सोलंकी द्वारा की गई एवं आबकारी उपनिरीक्षक श्री विकास वर्मा एवं आबकारी स्टाफ श्री मोहन नायक, कांतु डामोर, श्री सोहन नायक, श्री पवन गाड़रिया, श्री विजय चौहान, श्री अर्जुन नायक, श्रीमती पुष्पा बारिया, विद्या डामोर का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

खुले में पेट्रोल/डीजल विक्रय और आवश्यक वस्तु के अवैध भंडारण पर कार्यवाही हेतु संयुक्त दल का गठन

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर द्वारा संयुक्त दल का गठन किया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संजय पाटील ने बताया कि संयुक्त दल द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर आवश्यक वस्तुओं का भण्डारण तो नहीं किया जा रहा साथ ही होटलों/अन्य प्रतिष्ठानों पर घरेलु गैस सिलेण्डर का अवैध संचालन पर तथा ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीणो/व्यापारियों द्वारा समीपवर्ती राज्य से पेट्रोल/डीजल क्रय कर जिले में स्थानीय दुकानो पर बॉटल/केन में अवैध रूप से विक्रय उचित कार्यवाही की जायेगी। अवैध रूप से विक्रय किये जा रहे पेट्रोल/डीजल को जप्त किये जाने एवं वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु संयुक्त दल में तहसीलदार संबंधित तहसील, संबंधित विकासखण्ड के सहा. कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, खाद्य सुरक्षा निरीक्षक श्री राहुल अलावा, निरीक्षक नापतौल विभाग श्री कपिल कदम आकस्मिक रूप से भ्रमण कर कार्यवाही करेगें।

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए एफसी बार्सिलोना और रियल मेड्रिड के फुटबॉलर। (फोटो-ईएमएस)

आईपीएल के अगले मैच में आसीबी की कप्तान करेंगे जितेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल के अगले मैच शीघ्रे शुरू होने की उम्मीद है। आने वाले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी जितेश शर्मा करेंगे क्योंकि टीम के नियमित कप्तान रजत पाटीदार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। आरसीबी की टीम आईपीएल की दौबारा शुरुआत के बाद पहला मैच लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेलेगी। ये वही मैच होगा जो भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के करण 9 मई को नहीं हुआ था। इससे पहले तीन मई को सीएसके के खिलाफ हुए मैच में पाटीदार की उंगली में चोट लग गई थी। इसी कारण उन्हें 10 दिन तक किसी भी प्रकार की ट्रेनिंग में भाग लेने से मना कर दिया गया है। ऐसे में वह लखनऊ के खिलाफ मुकाबले के अलावा इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पायेंगे। जितेश ने कहा कि उन्हें एलएसजी के खिलाफ आरसीबी की कप्तानी करने का अवसर दिया गया है जिससे वह बेहद खुश हैं। जितेश ने कहा, 'मुझे जो अवसर मिला, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने मुझे आरसीबी की कप्तानी करने का मौका दिया और यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी बात है।

मध्यप्रदेश बास्केटबॉल बालक व बालिका टीम घोषित

इन्दौर (इं) बिहार के पटना में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए मध्यप्रदेश की बास्केटबॉल टीम हेतु बॉस्केटबॉल कॉपलेक्स इंदौर में बालक और बालिका वर्ग का प्रशिक्षण शिवर लगाया गया, जिसमें सभी चयनित खिलाड़ियों ने अथक परिश्रम व मेहनत की है। शिविर पश्चात मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के महासचिव अविनाश आनंद ने टीम की घोषणा करते हुए बताया कि बालिका वर्ग में यमिका सोनी (कप्तान), वैष्णवी गुप्ता, काम्य, श्वेता सिंह, इशिका मंगरुले, आहना, आयुषी यादव, आर्य, सानिया, लक्षिता चौहान, यशिका भोर, मानवी, निया शामिल है। वहीं बालक वर्ग में आदित्य सिंह (कप्तान), रोहन कुशड़े, कृष्णा सुनारिया, आदित्य जायसवाल, सुजल सिंह, मोहित, दिव्यांशु माल, यश यादव, पृथ्वीराज श्रीमाल, रोहित, श्रेयांश गोस्वामी, तोहिद शेख को शामिल किया है। चयनित टीम को मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह गिल व कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल ट्रस्ट के सचिव लक्ष्मीकांत पटेल ने बधाई शुभकामनाएं दी ।

अशांक, ऋतवी और नायशा सरताज लीग बैडमिंटन के फाइनल में

इंदौर/सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 67वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा मेंअशांक मिश्रा ने 13वर्ष बालक वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, बालिका वर्ग का खिताबी मुकाबला ऋत्वी दवे और नायशा पुरोहित कै बीच हैं,

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में हो रही स्पर्धा में नायशा पुरोहित ने लीग मैच में ऋत्वी दवे को 15-4,15-4 सेऔर सारांश तिरोले को 15-12,15-6 से हराया, अशांक मिश्रा ने अर्णव शाह को तीन गेमों में 15-13,12-15,15-8 से और आदित्य तिलवनकर को 15-7,15-4 से एवं ऋत्वी दवे ने अर्यांश मिश्रा को 15-9,15-9 से पराजित किया, अथर्व चौधरी ने अदवित शाह को 15-415-6 से और मन बड़जत्या ने अशांक मिश्रा को 15-8,15-3 से हराया, ऋत्वी दवे ने अथर्व चौधरी को 15-12 ,15-4 से पराजित किया ,

एकदिवसीय ओपन ईनामी ब्लिट्ज शतरंज स्पर्धा

इंदौर! ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन द्वारा अयोजित 14 मई को एक दिवसीय संजय कासलीवाल मेमोरियल ओपन ईनामी ब्लिट्ज शतरंज स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है ! अयोजन सचिव अनिल फतेहचंदानी ने जानकारी दी कि यह स्पर्धा दो वर्गों में अंडर 11 व ओपन वर्ग में होगी ! स्पर्धा महावीर बाल संस्कार केन्द्र द्वारा संचालित संजय अजीत कासलीवाल मेमोरियल चेस एकेडमी 52 कंचन बाग पर शाम 5.3ह बजे से खेली जाएगी! इच्छुक खिलाड़ी 13 मई तक 52 कंचन बाग एकेडमी पर पीयूष जमींदार से संपर्क कर सकते हैं!

दूसरी राज्य रैंकिंग टेनिस स्पर्धा में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने पेश की चुनौती

वियान, दक्ष, शिवम ने मुख्य दौर में पहली बाधा पार की

इंदौर। वियान अग्रवाल, दक्ष देविक, शिवम ठाकुर ने शहर में आयोजित दूसरी राज्य रैंकिंग टेनिस स्पर्धा के मुख्य दौर के मुकाबले में अपने-अपने वर्गों में पहली बाधा पार की। स्पर्धा में प्रदेशभर से 300 से ज्यादा खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में चुनौती पेश कर रहे हैं।

इंदौर रेसीडेंसी क्लब में आयोजित इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट के जरिए खिलाड़ियों के पास अपनी रैंकिंग सुधारने का अवसर मिली। स्पर्धा संयोजक और भारतीय जूनियर टेनिस टीम के कोच इंद्रकुमार महाजन ने बताया कि स्पर्धा का शुभारंभ सोमवार को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के डायरेक्टर राकेश गुप्ता, कमिश्नर दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह और अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर के आतिथ्य हुआ। स्पर्धा के दौरान बालक अंडर-12 वर्ष, अंडर-14 वर्ष, अंडर-18 वर्ष के साथ पुरुष एकल और युगल वर्ग के मुकाबले हुए। खिलाड़ियों की अधिक संख्या को देखते हुए यह टूर्नामेंट कुल छह कोर्ट पर खेला गया, जिसमें क्ले कोर्ट भी शामिल हैं। बालक अंडर 14 आयु वर्ग में वियान अग्रवाल ने आरव शिंदे को 8-1 से हराकर जीत हासिल की। अदविक ने रेयांश पटेल को 9-3 हराया। विहान नवाब ने अदविथ भार्गव को 9-3 से हराया। गौरांग ने अथर्व को 9-7 से हराया। इसी प्रकार अंडर-12 आयु वर्ग में दक्ष देविक व्यास ने अंश को 8-2 से हराकर जीत हासिल की। समांयु ने संवर्ध को 8-4 से हराया। मुदित ने अनुकल्प यादव को शानदार प्रदर्शन कर 8-1 से हराया। वियान ने सरस पांडे को 8-2 से हराया। अंडर 18 आयु वर्ग में शिवम ठाकुर ने रिग्वेद ने 9-2 से हराकर जीत हासिल की। आर्य ने यशवीर को 9-6 से हराया। विराट सिंह ने आरभ गर्ग 9-6 से हराया। अदविक गुरू ने येशांश को 9-3 से हराया। इसी प्रकार मोहम्मद अस्सिम ने मनन को एकतरफा मुकाबले में 9-0 से हराया। प्रत्यांश सोनी ने कुश बसिन को 9-5 से हराया। अमन भावसार ने ध्रुव सोनी को 9-5 से हराया। अरनव ने रोहित सिंह को 9-4 से पराजित किया।

स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ के समर कैंप में विद्यार्थियों को मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण

अलीराजपुर। अलीराजपुर जिले की अग्रणी शैक्षणिक संस्था स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ द्वारा इन दिनों एक भव्य समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिले के विभिन्न स्कूलों से आए लगभग 150 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस कैंप में कराटे, डांस, क्रिकेट, कोडिंग, रोबोटिक्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, संस्कृत वाचन और फायर फ्री कुकिंग जैसे विविध विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय की उप प्राचार्या श्रीमती प्रार्थना शर्मा ने बताया कि ऐसे समर कैंप बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल सिखाने में भी सहायक होते हैं। ÷प्रातः जल्दी उठने की आदत, समय का सदुपयोग और स्वास्थ्य का ध्यान – इन सबका संतुलन इस तरह के आयोजन से बनता है,÷ उन्होंने बताया कि समर कैंप में दिए जा रहे प्रशिक्षण में कराटे का श्री संजय पवार (ब्लैक बेल्ट 5 डान) और मंथन राठौर द्वारा,क्रिकेट का भाया भिंडे और दिनेश चव्हाण,कोडिंग का देवाशीष

राठौर,रोबोटिक्स का भविष्य राठौड़, आर्ट एंड क्राफ्ट का श्रीमती सपना खंडेलवाल,फायर फ्री कुकिंग श्रीमती प्रार्थना शर्मा एवं संस्कृत वाचन सत्येंद्र शर्मा सर एवं नृत्य का परिवेश गौतम और अंजलि सस्तिया द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। श्री संजय पवार ने जानकारी दी कि कराटे और क्रिकेट का प्रशिक्षण खेल एवं कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से बच्चों का आत्मविश्वास और अनुशासन दोनों विकसित होते हैं। 10 मई को विद्यालय परिसर में मॉक ड्रिल एवं ब्लैकआउट का अभ्यास भी करवाया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह और गंभीरता से भाग लिया। यह अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता एवं त्वरित प्रतिक्रिया सिखाने हेतु आयोजित किया गया था। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि इस तरह के बहुआयामी आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं ।

(फोटो-ईएमएस) रोम में डब्लयूटीए टेनिस मुकाबले में खेलती हुई जेंग क्वीनविन।

इंग्लैंड दौरे में करुण नायर को मिल सकता है अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए बल्लेबाज करुण नायर को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। करुण की आठ साल के बाद टीम में वापसी की इसलिए भी संभावना है क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने भी संन्यास की इच्छा जताई है। ऐसे में भारतीय टीम को पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए करीब दो अच्छे बल्लेबाजों की जरुरत है। करुण ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2024-25 घरेलू सीजन में विदर्भ की ओर से लगातार शतक लगाये हैं।.आईपीएल में भी इस बल्लेबाज ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। करुण को अगर टीम में जगह मिलती है तो वह आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते दिखेंगे। इससे पहले साल 2016-17 सत्र में इस बल्लेबाज ने छह टेस्ट और दो एकदिवसीय खेले थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक भी लगाया था। वह वीरेंद्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। करुण ने विजय हजारे ट्रॉफी के नौ मैचों में पांच शतकों की सहायता से 779 रन बनाए और नौ रणजी ट्रॉफी मैचों की 16 पारियों में कुल 863 रन बनाए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार करुण इस महीने के अंत में इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। वहां उनको प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में जगह मिल सकती है।

भारत ए टीम की घोषणा आज होने की संभावना, अभिमन्यु ईश्वरन को मिल सकती है कप्तानी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 13 मई को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है और इससे पहले इंडिया ए को इंग्लैंड में 2 मैच खेलने हैं। भारतीय ए टीम को इस दौरे में इंग्लैंड लायंस से खेलना है। इंडिया ए टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों के नाम तकरीबन तय है। इसकी कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी को मिल सकती है। इंडिया ए को तीन गैर आधिकारिक टेस्ट मैच खेलने हैं, जिनमें 30 से 2 जून तक और 6 से 9 जून तक इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मैच है और 13 से 16 जून तक भारतीय टीम से खेलना है। ईश्वरन के अलावा शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुश कोटियान, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है। वहीं ईशान किशन को शायद ही अवसर मिले। जुरेल और ऋषभ पंत के सीनियर टीम में होने के कारण ए टीम में उनके चयन की संभावनाएं नहीं हैं। श्रेयस अय्यर का चयन पक्का नहीं है। श्रेयस ने पिछले एक साल से अधिक समय से लंबे प्रारुप में नहीं खेला है। इसी कारण उन्हें जगह नहीं मिल रही।

पाक दौरे पर शायद ही जाये बांग्लादेश क्रिकेट टीम

लाहौर (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए सुरक्षा हालातों की समीक्षा बाद ही अपनी टीम को पाक दौरे पर भेजेगा। बांग्लादेश की टीम को पांच टी-20 खेलने के लिए पाकिस्तान जाना था पर वहां के कमजोर सुरक्षा हालातों को देखते हुए बांग्लादेश टीम शायद ही वहां का दौरा करे। बीसीबी ने कहा है कि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा बोर्ड की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। साथ ही कहा कि पाक में हालात को देखने के बाद ही इस बारे में कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा। इससे पहले बीसीबी ने यूएई के दौरे पर दो टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी। इससे पहले अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में यूएई की टीम से दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। यह मैच 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे से से खेले जाएंगे। पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सिरीज 25 मई से 3 जून के बीच होनी थी। यूएई से सीरीज के बाद बांग्लादेश को पाक दौरे पर जाना था।

आईपीएल के लिए अब शायद ही वापस लौटें विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई (ई)। भारत ओर पाकिस्तान के बीच पिछले सप्ताह तनाव के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थित थी और आईपीएल मुकाबले भी स्थगित कर दिये गये थे। ऐसे में सभी विदेशी खिलाड़ी अपने-अपने घरों को लौट गये थे। अब जबकि दोनो ही देशों के बीच संघर्षविराम शुरु हो गया है और हालात भी सामान्य होने लगे हैं। ऐसे में आईपीएल मुकाबले भी फिर शुरु होने की संभावना है। वहीं अब टीमें अपने विदेशी खिलाड़ियों को बुलाने लगी हैं पर माना जा रहा है कि कई खिलाड़ी शायद ही वापस लौटें। वहीं दूसरी ओर संकेत मिले हैं कि आईपीएल के शेष मैच 16 या 17 मई से शुरू हो जाएंगे और मई के अंत तक टूर्नामेंट समाप्त हो जाएगा। वहीं कहा जा रहा है कि जो भारत छोड़ चुके हैं उनके वापस लौटने की संभावना नहीं है। इसमें ज्यादातर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क का नाम सबसे ऊपर है। हेजलवुड इंजरी के कारण शायद ही वापस लौटे क्योंकि वह अधिकतर मैचों से बाहर रहे हैं जबकि स्टार्क के मैनेजर ने कहा है कि जिस तरह के तनाव से वह लौटे हैं उससे थक गये हैं और आराम चाहते हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के भी कुछ खिलाड़ियों के लौटने की संभावना नहीं।।

कंसास में नेसकार कप सीरीज के ड्राइवर केली लारसन एडवेंट हैल्थ 400 में जीत के बाद तस्वीरों के लिए पोज देते हुए। (फोटो-ईएमएस)

फ्रेंच ओपन के लिए फार्म हासिल करना चाहते हैं जोकोविच

लंदन (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का लक्ष्य 25 मई से शुरु होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले अपना फार्म हासिल करना है। इसी कारण 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड वे प्रवेश लिया है। जिससे वह अपना फॉर्म और फिटनेस हासिल कर सकें। जोकोविच का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है।

अंडर 17 अंडर 15 सब जुनियर राज्य स्तरीय कुश्ती 16 मई से

इंदौर। मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के सचिव सुरेश यादव ने बताया कि इस बार सब जुनियर अंडर 17 अंडर 15 राज्य स्तरीय कुश्ती गांव कनाड में होगी ओलंपियन पप्पु यादव ने बताया कि लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण प्रतिभाएं पदक जीत कर गौरवान्वित कर रहे है इस लिए विशेष कर ग्रामीण अंचलों में अधिक से अधिक स्पर्धाएं कर वहां के युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा स्पर्धा के संचालन 11 सदस्य समिति जिसमें ओलंपियन पप्पु यादव, विक्रम अवॉर्डी ओमप्रकाश खत्री, सुरेश यादव, गोविन्द गुजर, विकास यादव, राधेश्याम यादव , ओमप्रकाश यादव , जगदीश यादव , विनोद यादव , विक्रम यादव , अजजु आदि का भाग लेने का अनुमान है।

मुझे करियर में बिना किसी कारण भी आलोचना झेलनी पड़ी है -रोहित

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्हें अपने करियर में गैरजरुरी आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह ही टेस्ट प्रारुप को अलविदा कहने वाले रोहित ने कहा कि कई बार उन्हें बिना किसी बात के भी आलोचना झेलनी पड़ी है।

रोहित ने कहा कि आलोचना का कोई प्रभाव नहीं होता ऐसा नहीं है। इससे एक प्रकार से मानसिक दबाव पड़ता है।

रोहित के बारे में माना जा रहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलने में उन्हें परेशानी रही है। इसी को लेकर उन्होंने कहा, मेरे बारे में ये भी कहा गया है कि मैं बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के सामने सहज तरीके से नहीं खेल पाता हूं। ऐसा होता है और ये खेल का हिस्सा है पर अगर आप हर बात को लेकर अपना बचाव नहीं कर सकते। अगर आप करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद कर रहे होते हैं। अपना बचाव करना ही मेरा काम नहीं है। गैरतलब है कि रोहित ने पिछले सप्ताह टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था जबकि पिछले साल उन्होंने एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। रोहित के अनुसार वह पहले की तरह ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। रोहित ने एकदिवसीय क्रिकेट में 273 मैचों में 11,168 रन बनाए हैं जिसमें उनका औसत 48.76 का रहा है।

(फोटो-ईएमएस) शंघाई में तीरंदाजी विश्वप्र में स्टेज टू में जीत के बा दक्षिणी कोरिया के खिलाड़ी लिम शियोन व किम वोजिन पोज देते हुए।

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार
मो-9335566111

सीजफायर-राष्ट्रवाद से यू-टर्न तक की अधूरी कहानी

भारतीय राजनीति में ऐसे कई क्षण आते हैं जब कोई घटना देश की जनता और सत्ता प्रतिष्ठान के बीच संबंधों को गहराई से प्रभावित करती है। पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 हिन्दुओं की हत्या भी इसी की एक कड़ी थी,जिसका हिसाब चुकाने के लिये मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कड़ा कूटनीतिक और सैन्य प्रहार किया,जिसकी शुरूआत पाकिस्तान के साथ दशकों पुराने चले आ रहे सिंधु जल समझौते के निलंबन से हुई तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर ही आतंकवादियों को कब्र में सुला दिया,आपरेशन सिंदूर एक ऐसी ही सैन्य कार्रवाई थी, जो जितनी तेजी से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आई, उतनी ही जल्द वह विवादों और अस्पष्टताओं के भंवर में फंसकर थम गई।

यह ऑपरेशन अपने कथित उद्देश्यों के कारण जितना महत्वपूर्ण था, उतना ही इसके अचानक ठहराव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए,जब पहलगाम में आतंकियों ने 26 हिन्दुओं को उनका धर्म पूछ कर मारा तो इसका बदला लेने के लिये पूरा देश और विपक्ष मोदी सरकार के साथ खड़ा हो गया।सबने एक सुर में कहा मोदी सरकार जो कार्रवाई करेगी,उसका हम समर्थन करेंगे,प्रधानमंत्री मोदी ने भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर सबको संतुष्ट करने में कोई गुरेज नहीं किया,लेकिन जब सीजफायर किया गया तो मोदी सरकार ने किसी से नहीं पूछा। उन विपक्षी नेताओं को भी भरोसे में नहीं लिया जो उनके साथ खड़े हुए थे,यह बात देशवासियों को पसंद नहीं आई। खासकर बीजेपी और मोदी समर्थक भी इस मुद्दे पर बीजेपी और मोदी सरकार के खिलाफ नज़र आये।

गौरतलब हो 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत एक गुप्त अभियान के तौर पर हुई थी, जिसका उद्देश्य कथित रूप से कश्मीर घाटी में आतंक के नेटवर्क को समाप्त करना और पाकिस्तान समर्थित तत्वों को निष्क्रिय करना था। इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखने के पीछे भावनात्मक और सांस्कृतिक प्रतीक था। सिंदूर, जो भारत में सुहागिन स्त्रियों का प्रतीक है। माना जा रहा था कि इस ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबलों को 'फ्री हैंड' दिया गया था, और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के मार्गदर्शन में इसे अंजाम तक पहुंचाया जाना था। ऑपरेशन के शुरुआती दिनों में कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों पर हमले हुए भी थे। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीते, यह ऑपरेशन धीरे-धीरे मीडिया से गायब होता चला गया।

फिर एक दिन ऑपरेशन सिंदूर जिस तरह अचानक शुरू हुआ था, उतनी ही चुप्पी से वह थम भी गया। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं,जिसकी चर्चा करना यहां जरूरी है। कहा जा रहा कि संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने भारत से मानवाधिकारों को लेकर जवाबदेही की मांग की। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत से 'संवेदनशीलता' बरतने की अपील की।

बात देश के भीतर की कि जोय तो ऑपरेशन के चलते स्थानीय जनता में असंतोष बढ़ने लगा था। स्कूल, कॉलेज बंद होने लगे थे और एक बार फिर घाटी में सुधरते हुए के हालात बिगड़ने लगे थे। मोदी सरकार को आगामी चुनावों में उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को प्रभावित करने की चिंता थी। किसी भी प्रकार की कठोर सैन्य कार्रवाई इस वर्ग को और अलग-थलग कर सकती थी। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन की रणनीति को लेकर रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के बीच मतभेद थे। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का मानना था कि यह समय पूर्ण सैन्य कार्रवाई का नहीं, बल्कि सूक्ष्म कूटनीतिक प्रयासों का था।

बहरहाल,वजह कोई भी हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अब तक की छवि एक 'निर्णायक और मजबूत नेता' की रही है। 2016 का सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 का बालाकोट एयर स्ट्राइक उनके इस रूप की पुष्टि करते हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर का अचानक ठहर जाना इस छवि पर धुंध छा जाता है। समर्थकों को लगता है कि सरकार ने एक बार फिर कठोर कदम की शुरुआत करके अंत में 'यू-टर्न' ले लिया।

यह एक राजनीतिक चाल अधिक और सुरक्षा नीति कम प्रतीत हुआ। वहीं अभी तक मोदी सरकार के साथ खड़ी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अब पूरे घटनाक्रम को 'राजनीतिक नौटंकी' करार देते हुए पूछ रहे हैं कि यदि ऑपरेशन जरूरी था तो उसे अधूरा क्यों छोड़ा गया? और यदि नहीं था, तो इसकी शुरुआत क्यों की गई? पूर्व सैनिकों और रक्षा विश्लेषकों ने भी यह सवाल उठाया कि जब सैनिकों को 'ऑपरेशन मोड' में लाया गया, तो क्या उन्हें केवल राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बनाया गया?

उधर, सोशल मीडिया और ज़मीन पर जनता की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। एक ओर राष्ट्रवाद की भावना से भरपूर वर्ग ने इस ऑपरेशन के प्रति उत्साह दिखाया था, लेकिन जब यह बिना निष्कर्ष के थमा, तो वही वर्ग निराश हो गया। दूसरी ओर, शांति और संवाद की वकालत करने वालों ने राहत की सांस ली, पर यह असमंजस बना रहा कि सरकार ने अंततः क्या निर्णय लिया और क्यों। ऑपरेशन सिंदूर की खबरें जब आईं तो प्रमुख चैनलों ने इसे मिशन कश्मीर 2.0 की संज्ञा दी। पैनल चर्चाओं में राष्ट्रवाद की लहरें उठीं, लेकिन जैसे ही ऑपरेशन पर कोई आधिकारिक सूचना आनी बंद हुई, मीडिया ने भी चुप्पी साध ली। इससे यह संदेह और गहरा हुआ कि कहीं यह एक प्रायोजित प्रचार तो नहीं था।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर एक प्रतीक बन गया है उस नीति का, जो न तो पूरी तरह सैन्य थी और न ही पूरी तरह कूटनीतिक। इसकी अधूरी परिणति ने यह दिखा दिया कि केवल आक्रामक भाषण और प्रतीकात्मक नामों से जमीनी हकीकत नहीं बदलती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर इस अधूरे ऑपरेशन ने निश्चित रूप से असर डाला है, विशेषकर उस वर्ग में जो उन्हें निर्णायक नेतृत्व का प्रतीक मानता रहा है। आने वाले चुनावों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या मोदी इस 'हिचकिचाहट' को छिपा पाने में सफल रहते हैं, या यह उनके राजनीतिक विपक्ष के लिए एक नया हथियार बन जाता है।

मप्र की 5 लाख 46 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा

एनजीटी की रिपोर्ट में खुलासा, छिंदवाड़ा के गगनों में ज्यादा कब्जे, शाजापुर इकलौता जिला जहां कोई कब्जा नहीं

इंदौर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में पेश की गई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मध्यप्रदेश के जंगलों पर सबसे ज्यादा कब्जे हुए है। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश की 5 लाख 46 हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध कब्जा है। मध्य प्रदेश की कुल वन भूमि का 7.17त्न कब्जा है। प्रदेश के 55 जिलों में से छिंदवाड़ा जिले में सर्वाधिक जंगलों पर कब्जा है। वहीं शाजापुर ऐसा इकलौता जिला जहां वन भूमि पर कोई कब्जा नहीं है। राजधानी भोपाल में भी 5229.15 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा है। मध्य प्रदेश के बाद असम दूसरा राज्य जहां 3.32 लाख हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण है। उसके बाद देश के कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश शामिल है।

यह है कानून-धारा 66-ए के तहत, अर्थात् सरकारी वन भूमि से अतिक्रमण की बेदखली। (1) सरकारी वन भूमि पर अतिक्रमण संज्ञेय और अजमानतीय अपराध माना जाता है। जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 441 और 447 लागू होती हैं। धारा 441 अतिक्रमण से जुड़े मामलों पर लागू होती है, जबकि धारा 447 अवैध कब्जा करने पर जुर्माना और सजा का प्रावधान करती है।

सर्वोदय की तर्ज पर कार्यकर्ता-विधायकों को ट्रेनिंग देगी कांग्रेस

इंदौर। मप्र कांग्रेस सर्वोदय की तर्ज पर कार्यकर्ता और विधायकों को ट्रेनिंग देगी। खुद के खर्चे पर कांग्रेस के विधायक और कार्यकर्ता ट्रेनिंग लेंगे। कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग 9 जून से 15 जून तक चलेगी। प्रशिक्षण के लिए तय राशि कांग्रेस कार्यकर्ता जमा करेंगे। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि- कांग्रेस की ऑडियोलॉजी और आजादी के पहले कैसे कांग्रेस कार्य करती थी यह भी बताएंगे। एआई और सोशल मीडिया की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। यह बहुत विशेष ट्रेनिंग है और इसका लाभ कांग्रेस को बड़े स्तर पर मिलने वाला है।

ट्रेनिंग कैम्प में प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों, जिला अध्यक्षों सहित सभी नेताओं को एक निश्चित राशि बतौर पार्टी के पास जमा करनी होगी। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के चीफ सचिन राव और एमपी कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग द्वारा ये ट्रेनिंग कैम्प आयोजित किया जाएगा।

बीते दिनों भोपाल में एमपी कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के साथ हुई बैठक में ये तय हुआ है कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को आइडियोलॉजी के आधार पर जोड़ने के लिए विधायकों, जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिए जाएं।

सबसे पहले होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस पार्टी के इतिहास, राजनीतिक सफरनामे से लेकर वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया जाएगा।

एआई और सोशल मीडिया का भी प्रशिक्षण

कांग्रेस ने ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किया है। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को ये बताया जाएगा कि वर्तमान में एआई के युग में फेक न्यूज और कंटेंट और फैक्ट को कैसे पहचानें। विरोधी दल द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले दुष्प्रचार को रोकने के तौर तरीके भी बताए जाएंगे।

मोबाइल मैनेजमेंट से लेकर चुनाव प्रबंधन सिखाएंगे

कांग्रेस का मानना है कि सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति के व्यवहार और काम करने के तौर तरीके का कार्यकर्ताओं और आम जनता पर बड़ा असर पड़ता है। ट्रेनिंग में मोबाइल मैनेजमेंट, मीडिया और सोशल मीडिया मैनेजमेंट भी सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण विभाग से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि कई नेता अपने वॉट्सऐप पर रीड रिसिप्ट ऑन किए रहते हैं। ऐसे में जब कोई वॉट्सऐप पर मैसेज भेजता है तो यह पता नहीं चलता कि मैसेज देखा या नहीं? नेताओं के वॉट्सऐप पर प्रोफाइल फोटो, बायो पब्लिक होना चाहिए। कांग्रेस विधायकों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों को ट्रेनिंग देने के लिए देश भर के अलग-अलग सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स बुलाए जाएंगे। दो दिनों में करीब सात-आठ सत्रों में अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नेताओं कार्यकर्ताओं को दायित्व की जानकारी हो

कांग्रेस के संगठन प्रभारी महासचिव संजय कामले ने बताया लंबे समय से पार्टी इस बात पर विचार कर रही थी कि हमारे सभी नेतागण और कार्यकर्ता प्रशिक्षित हों। और उन्हें उनके दायित्वों की जानकारी हो। एक प्रशिक्षण विभाग का गठन किया गया था।

महेन्द्र जोशी उसके अध्यक्ष हैं। उनके नेतृत्व में एक प्रजेंटेशन दिया गया था। जिसमें सैद्धांतिक रूप से ये तय किया गया है कि 9 से 15 जून के बीच दो से तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। उस प्रशिक्षण में सभी जिलाध्यक्ष, विधायक, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, पीसीसी के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे।

दिग्विजय आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भोपाल में दिखाएंगे फिल्म फुले

इंदौर। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और विचारों पर बनी फिल्म फुले की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी है। इसका आयोजन 13 मई का भोपाल के डीबी मॉल स्थित सिनेप्लेक्स में किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह के अलावा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य कांग्रेस नेता व पार्टी कार्यकर्ता यहां फिल्म देखेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को फुले के समतावादी विचारों और सामाजिक न्याय के संघर्ष से रूबरू कराना है। दिग्विजय सिंह की इस पहल को सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा फुले को वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में पुनः स्थापित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस आयोजन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है।

फुले जैसे विचारकों को याद करना जरूरी-कार्यक्रम को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि महात्मा फुले ने उस दौर में समानता, शिक्षा और जातिविहीन समाज का सपना देखा था जब ऐसी बातें सोच पाना भी कठिन था। आज जब समाज में विभाजनकारी शक्तियां सक्रिय हैं, फुले जैसे विचारकों को याद करना और उनकी प्रेरणा लेना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।

फुले के जीवन संघर्षों पर बनी है यह फिल्म-जनकारी के लिए बता दें कि कि यह फिल्म महात्मा फुले के जीवन संघर्ष, शिक्षा आंदोलन और जातिवादी व्यवस्था के खिलाफ उनके आंदोलन को प्रभावशाली ढंग से दर्शाती है। फिल्म में दिखाया गया है कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने किस तरह समाज के खिलाफ जाकर पहले अपनी पत्नी को पढ़ाया और फिर समाज की लड़कियों को पढ़ाना शुरू किया। ये सब उस दौर में हुआ जब लड़कियों को पढ़ाना पाप माना जाता था। जब हमारे समाज में बाल विवाह, विधवा का मुंडन कर देना और छुआछूत जैसी कुप्रथाएं जिंदा थी। समाज के एक बड़े तबके के विरोध के बावजूद उन्होंने ये कैसे किया। यही इस फिल्म की कहानी है।

अवैध वसूली कर अपनी तिजोरी भर रहे अधिकारी

इंदौर। प्रदेश के सबसे कमाऊ विभागों में शामिल परिवहन विभाग भ्रष्टाचार और भरोशाही की जकड़ में इस कदर फंसा हुआ है कि विभाग के अफसर राजमार्गों पर चेकपोस्ट (अब चेकपॉइंट)पर अवैध वसूली कर केवल अपनी तिजोरी भरने में लगे हुए हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि परिवहन विभाग लगातार राजस्व वसूली में फिसड़ा जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2022-23 में टारगेट से अधिक राजस्व संग्रह करने वाला परिवहन विभाग इस बार लक्ष्य की पूर्ति में पिछड़ गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार ने परिवहन विभाग को 5,500 करोड़ रूपए का टारगेट दिया था, विभाग 4,770 करोड़ रूपए ही वसूल पाया।

विभाग का कहना है कि स्टाफ की कमी के कारण परिवहन विभाग टारगेट पूरा नहीं कर पाया है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष के आखिरी महीने मार्च में परिवहन विभाग ने अपना राजस्व का टारगेट पूरा करने के लिए चैक पोस्ट पर सख्ती बढ़ा दी थी। साथ ही पुराने वाहनों से टैक्स वसूली के नोटिस दिए गए, ताकि राजस्व बढ़ सके। आरटीओ, उडऩ दस्ता प्रभारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। लेकिन विभाग टारगेट पूरा करने में 730 करोड़ रूपए से पिछड़ गया। संयुक्त परिवहन आयुक्त, प्रशासन विनोद भार्गव का कहना है कि वित्तीय वर्ष वर्ष में मिले 5,500 करोड़ 99 रुपए के राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के पूरे प्रयास किये गए थे लेकिन 4,770 करोड़ ही राजस्व आया। जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग स्टाफ की कमी से जुझ रहा है। विभाग में अधिकांश पद खाली पड़े हैं। इस कारण काम करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वसूली से ज्यादा वेतन ले गए अधिकारी-जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग का मैदानी अमला हर महीने करोड़ों रुपये की अवैध वसूली करता रहा, वहीं शासन हित में राजस्व वसूली के प्रति पूरी तरह उदासीन बना रहा। राजमार्गों पर शमन शुल्क के रूप में वसूली गई राशि का राशि का आंकड़ा बताता है कि चेकपोस्टों पर नियम विरुद्ध संचालित वाहनों से जितना राजस्व वसूला गया, उससे कई गुना अधिक यहां अवैध वसूली हुई।

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके दोनों साथियों से पूछताछ के बाद लोकायुक्त पुलिस ने अब परिवहन विभाग के मैदानी अमले से अवैध वसूली के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। इस पूछताछ में परिवहन विभाग की हर महीने की करोड़ों की वसूली की परतें एक-एक कर खुल रही हैं। वहीं विभाग के वर्ष 2021-22 से वर्ष 2024-25 तक के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के 45 जिलों में इस मैदानी अमले द्वारा शमन शुल्क के रूप में वसूली का आंकड़ा बताता है कि अधिकारी कर्मचारियों ने राजस्व वसूली में कभी रुचि नहीं ली। जबकि जुलाई 2024 में मुख्यमंत्री के आदेश पर चेकपोस्ट बंद होने के बाद कई जिलों में राजस्व वसूली से कहीं अधिक इस वसूली अमले को वेतन के रूप में बांट दिया गया।

छापों में खुल रही विभाग की पोल-लोकायुक्त पुलिस ने विगत 1 मई को सौरभके खास राजदार विभाग के दो आरक्षकों गौरव पाराशर और हेमंत जाटव से पूछताछ की गई। इसके बाद विभाग के कुछ आरटीआई, टीएसआई और आरक्षकों को बुलाकर पूछताछ की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि अलग-अलग पूछताछ में विभाग के इन कर्मचारियों ने खुद को बचाने की कोशिश जरूर की है, लेकिन अवैध वसूली सिस्टम की परतें लोकायुक्त के सामने जरूर खोली हैं। इसमें सौरभ के साथ-साथ सौरभ के उन संरक्षकों के नाम भी खोले हैं, जिनके पास वसूली का पैसा जाता था।

शमन शुल्क वसूली लगातार गिर रही-प्रदेश में आंकड़ों का आकलन करने पर यह तथ्य सामने आया है कि शमन शुल्क वसूली में लगातार गिरावट आ रही है। 3 प्रमुख जिलों में वर्षवार शमन शुल्क वसूली कम हो रही है। ग्वालियर में वर्ष 2021-22 में 41,94,000 रूपए की वसूली हुई थी। वहीं 2022-23 में 46,78,500, 2023-24 में 68,53,000 रूपए की वसूली हुई।

वहीं 2024-25 में फरवरी तक 23,97,900 रूपए की वसूली हुई। इंदौर में 2021-22 में 6,95,000, 2022-23 में 2,83,000, 2023-24 में 1,77,000 और 2024-25 में फरवरी तक 5,89,000 रूपए की वसूली की गई है। रीवा में 2021-22 में 97,62,800, 2022-23 में 68,27,000, 2023-24 में 38,04,000, 2024-25 में फरवरी तक 11,49,000, भोपाल में 2021-22 में 1,69,000, 2022-23 में 1500 और 2024-25 में फरवरी तक 1,92,000 रूपए की वसूली की गई।

लक्ष्य से 730 करोड़ पिछड़ गया विभाग-गौरतलब है कि प्रदेश सरकार का कमाऊपूत परिवहन विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 में मिले 5,500 करोड़ के रेवेन्यू टारगेट को पूरा नहीं कर पाया। लक्ष्य ज्यादा नहीं बहुत ज्यादा था, इसलिए विभाग 31 मार्च तक 4,770 करोड़ ही राजस्व प्राप्त कर सका और लक्ष्य पूरा करने में 730 करोड़ से पिछड़ गया। ग्वालियर परिवहन कार्यालय की बात करें तो 340 करोड़ का टारगेट मिला था मगर 317 करोड़ ही आ सके। उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग में राजस्व संग्रहण वाहनों के रजिस्ट्रेशन, वाहनों के रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल वाहनों के परमिट, वाहनों में ओवरलोडिंग से होता है।

इसके अलावा बिना अनुमति के वाहनों का मार्ग पर संचालन, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चलाने, मानक से ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर पेनाल्टी से भी राजस्व का संग्रहण किया जाता है। इसके अलावा विभाग ओवरलोडिंग पर भी कार्रवाई कर जुर्माना वसूलता है। इससे राजस्व अर्जित होता है। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने 5500 करोड़ के टारगेट को पूरा करने के लिए परिवहन अधिकारियों को अवैध वाहनों पर कार्रवाई, बकाया टैक्स वसूलकर अधिक से अधिक राजस्व जुटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन निर्देश काम नहीं आए और 5,500 करोड़ का राजस्व लक्ष्य धरा का धरा रह गया। विभाग को 6 हजार करोड़ का रेवेन्यू का नया टारगेट दिया जाएगा। ग्वालियर के अलावा इंदौर, जबलपुर और भोपाल भी राजस्व लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाए। परिवहन विभाग वर्ष 2023-24 में मिले 4,800 करोड़ का टारगेट पूरा करने में 200 करोड़ से पिछड़ गया था। ट्रांसपोर्टर बलजीत सिंह का कहना है कि पिछले वर्ष में नई गाडिय़ां कम उठी है, इसलिए विभिन्न टैक्स सहित अन्य राजस्व परिवहन विभाग को कम मिला होगा। अगर विभाग के पिछले 6 साल के राजस्व लक्ष्य का आकलन करें तो वर्ष 2019-20 में 3,600 करोड़ रूपए का टारगेट दिया गया था उसमें से विभाग ने 3,266 करोड़ रूपए वसूले।

वहीं वर्ष 2020-21 में 2,600 करोड़ रूपए का टारगेट और 2,746 करोड़ रूपए की वसूली वर्ष 2021-22 में 3,200 करोड़ रूपए का टारगेट और 3,026 करोड़ रूपए की वसूली वर्ष 2022-23 में 3,800 करोड़ रूपए का टारगेट और 4,012 करोड़ रूपए की वसूली वर्ष 2023-24 में 4,800 करोड़ रूपए का टारगेट और 4,600 करोड़ रूपए की वसूली और वर्ष 2024-25 में 5,500 करोड़ रूपए का टारगेट और 4,770 करोड़ रूपए की वसूली हुई।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो. : 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com